केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जिंदगी में यदि हम अपनी ग़लतियों से कुछ सीखते हैं तो ग़लतियाँ सीढ़ी हैं..

वर्ष : 16 अंक : 326 | उज्जैन, शुक्रवार 08 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सोमनाथ हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का है प्रतीक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जारी है विरासत से विकास की महत्वपूर्ण यात्रा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सोमनाथ हमारी प्राचीन विरासत, आस्था और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। सोमनाथ साक्षी है कि सृजन शक्ति हमेशा विनाशकारी शक्ति से प्रभावी होती है। सोमनाथ की प्रत्येक ईट, भक्ति का ताप और भारत के पुनरुत्थान का गौरव कहती है। इतिहास में कई बार मंदिर को क्षति पहुंचाने का प्रयास किया गया, लेकिन प्रत्येक विध्वंस के बाद यह मंदिर और अधिक भव्यता के साथ उठ खड़ा हुआ। सत्रह बार आक्रमण के बाद भी शाश्वत शिव यहीं विराजते हैं। मंदिर के इतिहास में वर्ष 2026 खास महत्व रखता है। एक हजार वर्ष पहले 1026 में पहली बार मंदिर पर आक्रमण हुआ था। इसी वर्ष जनवरी में आक्रमण के ठीक एक हजार वर्ष बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सोमनाथ में भव्य स्वाभिमान पर्व मनाया गया। बाबा सोमनाथ की दिव्यता और भव्यता आज भी अलौकिक और अद्वितीय है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विरासत से विकास की यात्रा जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 1 से सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के प्रथम जत्थे को रवाना कर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित यह गौरवशाली यात्रा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत निकाली जा रही है।

मुख्यमंत्री को यात्रियों ने शौर्य के प्रतीक स्वरूप भेंट किया त्रिशूल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया और कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। देश की प्रमुख 21 नदियों के जल कलशों का भी पूजन-अर्चन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर ढोल-धमाकों और डमरू की थाप पर उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमनाथ ज्योतिर्लिंग पर 21 नदियों का जल

अर्पित करने के लिए यात्रियों को जल कलश तथा ध्वजा सौंपी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को यात्रियों ने शौर्य के प्रतीक स्वरूप त्रिशूल भेंट किया। कार्यक्रम में विधायक श्री रामेश्वर शर्मा के साथ श्री रविन्द्र यती, श्री राहुल कोठारी, अन्य जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित थे।

भगवान के जप, सत्संग, कीर्तन के साथ यात्रा रहेगी अविस्मरणीय- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि भोपाल, उज्जैन, सीहोर, रायसेन, विदिशा, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा आदि जिलों के तीर्थयात्रियों को लेकर यह ट्रेन, 8 मई को सोमनाथ पहुंचेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ट्रेन के सभी यात्रियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति ÷जियो और जीने दो की संस्कृति है। भगवान के जप, सत्संग, कीर्तन के साथ परस्पर स्नेह और प्रेम के वातावरण में की गई यात्रा सभी भक्तों के लिए अविस्मरणीय रहेगी। हम अपने जीवन का उपयोग भाईचारे के साथ कल्याणकारी कार्यों में करें और सम्पूर्ण मानव जाति को परिवार की तरह देखते हुए जीवनयापन करें, यही भारतीय संस्कृति का मूल्य है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जारी सांस्कृतिक जागरण का अभियान राष्ट्रीय एकता को निरन्तर सुदृढ़ कर रहा है। भगवान श्रीराम के अयोध्या धाम और भगवान श्रीकृष्ण की मथुरा के साथ ही बंगाल के कालीघाट तक सनातन संस्कृति की ध्वजा चारों तरफ लहरा रही है। गंगोत्री से गंगा सागर तक यह भाव सर्वत्र व्याप्त है।

महाकाल महालोक से सुदृढ़ हो रही एकता की भावना- मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा धार्मिक स्थलों के लिए हेलिकॉप्टर सेवा आरंभ की गई है। इंदौर से उज्जैन, ओंकालेश्वर, महाकालेश्वर और भोपाल से ओरछा-चंदेरी तथा जबलपुर से मैहर की माता और कान्हा किसली तथा पेंच के लिए हेलिकाप्टर सेवा उपलब्ध है। राज्य सरकार ने 13 धार्मिक लोक का निर्माण कराया है। बाबा महाकाल का महालोक बनने के बाद उज्जैन की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है। वर्तमान में प्रतिदिन डेढ़ लाख से अधिक लोग उज्जैन में दर्शन के लिए पधार रहे है। इससे होटल, ऑटो, ठेले वाले आदि सभी के व्यवसाय में वृद्धि हो रही है। महाकाल महालोक देश के विभिन्न भागों में रह रहे लोगों के मध्य आपसी सांस्कृतिक आदान-प्रदान का अवसर उपलब्ध कराकर एकता की भावना को भी सुदृढ़ कर रहा है, यही एकता की भावना एकात्मता में परिवर्तित हो रही है।

प्रदेश के विभिन्न अंचलों के लोगों को मिलेगा सोमनाथ मंदिर के दर्शन का लाभ- विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में धार्मिक महत्व के भवनों और स्थानों को वैभव प्रदान किया जा रहा है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न अंचलों के लोगों को सोमनाथ मंदिर के दर्शन के साथ अनेक सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिलेगा। यह यात्रा सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के संकल्प की सिद्धि का प्रयास है।

यह यात्रा जन-जन के मन में स्वाभिमान और श्रद्धा के भाव का संचार करेगी- मध्यप्रदेश से पहली बार निकलने वाली इस विशेष यात्रा में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से 1,100 श्रद्धालुओं का दल सम्मिलित हो रहा है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु सोमनाथ की पावन धरा पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, दर्शन और आध्यात्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता करेंगे। श्रद्धा और भक्ति के इस अनूठे संगम का समापन 11 मई, 2026 को होगा, जब यह दल सोमनाथ महादेव का आशीर्वाद और सांस्कृतिक गौरव की स्मृतियां लेकर वापस लौटेगा। यह यात्रा जन-जन के मन में स्वाभिमान और श्रद्धा के भाव का संचार करेगी।

न्यूज ब्रीफ

सुवेंदु अधिकारी क्कहत्याकांडः 50 सेकंड का ऑपरेशन-10 राउंड गोलियां, अपराधियों की बाइक की हुई पहचान

नई दिल्ली/ जीएनएस। बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना की सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि इस आपरेशन को महज 50 सेकंड में अंजाम दिया गया। चंद्रनाथ की कार के आसपास 10 राउंड गोलियां चलाई गई। गोलीबारी अत्याधुनिक स्वचालित हथियार से की गई थी। पुलिस का अनुमान है कि चंद्रनाथ की कार को रोकने वाली कार में एक शार्प शूटर सवार था। दो बाइक सवार पीछे से पीछा कर रहे थे। कार चालक ने बाइक सवारों से सूचना का आदान-प्रदान किया। हत्या के बाद हमलावर बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। तीनों घटना के छह घंटे पहले से इलाके में ही थे। घटनास्थल से बरामद कारतूस की जांच से पता चला है कि अपराध में इस्तेमाल की गई पिस्तौल आस्ट्रिया निर्मित बताई जा रही है। बता दें कि बुधवार रात 10ः30 बजे मध्यमग्राम के दोहारिया में दो बाइक व कार से आए बदमाशों ने प्वाइंट ब्लैंक रेंज से चंद्रनाथ को कार में गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना में चालक को भी गोली लगी थी। इधर घटना की जांच के लिए राज्य सरकार ने विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया है। इस बीच फारेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने हत्याकांड में इस्तेमाल की गई एक बाइक बरामद कर ली है। हत्या में इस्तेमाल किया गया चारपहिया वाहन बुधवार रात को जब्त किया गया था। चारपहिया वाहन का इस्तेमाल चंद्रनाथ की कार का रास्ता रोकने के लिए किया गया था। पता चला है कि बदमाश बाइक को छोड़कर भाग गए। दूसरी बाइक की तलाश अभी जारी है। पता चला है कि बरामद बाइक आसनसोल के बर्नपुर निवासी बिभास भट्टाचार्य के नाम पर पंजीकृत है। लेकिन अब उस पते पर बिभास नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता है।

हमीरपुर नाव हादसाः कॉल बनी काल, फोन उठाते ही यमुना में डूब गईं 6 जिंदगियां

हमीरपुर/ जीएनएस। नाव में सवार होकर घर को वापस लौट रहे लोगों के लिए एक फोन कॉल, काल बन गई। घटना से पूर्व नाविक के फोन में एक काल आई और इस काल के उठाते ही छह जिंदगियां यमुना नदी में डूब गईं। घटना को लेकर चलाए गए रेस्क्यू के बाद गुरुवार की सुबह एक के बाद एक शव मिलने से अफरा-तफरी मच गई और शव देखते ही स्वजन बेसुध हो गए। शाम सवा पांच बजे तक टीम ने सभी शवों को बरामद कर लिया और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। यमुना में डूबे लोगों की तलाश के लिए रातभर चले रेस्क्यू में एक भी शव टीम के हाथ नहीं लगा। लेकिन गुरुवार की सुबह होते ही शव मिलना शुरू हो गए। बारिश के बीच भी टीमों का रेस्क्यू जारी रहा और वह नदी में डूबे लोगों की तलाश करते रहे। वहीं ग्रामीण भी नदी किनारे डटे रहे। उच्चाधिकारी भी घटना स्थल पर मौजूद हैं और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे। हर कोई उस काल को घटना का काल मान रहा है जो नाविक विष्णु के मोबाइल पर आई थी। लोग कह रहे हैं कि न उसके मोबाइल पर फोन आता और न ही यह हादसा होता। इस घटना के बाद से पूरे गांव में शोक छाया हुआ है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत आसपास के गांव के लोग भी नदी किनारे पहुंच गए हैं और वहां पर डटे हुए हैं। नदी में करीब दस किमी के दायरे में टीम ने जाल डालकर डूबे हुए लोगों की तलाश करना शुरू कर दी थी। लेकिन रात का अंधेरा और नदी का तेज बहाव कहीं न कहीं टीम के लिए बाधक बना रहा और यही कारण रहा कि रात में टीम को कोई सफलता नहीं मिली और सुबह होते ही टीम को शव मिलना शुरू हो गए और शाम करीब सवा पांच बजे तक टीम ने सभी शव नदी से बरामद कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पत्नी के मोटापे और अफेयर से परेशान पति बना हैवान, यूट्यूबर से खरीदा जहर; मिठाई खिलाकर की हत्या

नई दिल्ली/ जीएनएस। आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले के प्रोद्दातुर कस्बे में एक दिल दहला देने वाली हत्या का मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी 31 वर्षीय पत्नी की कथित तौर पर जहर देकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने जहर एक यूट्यूबर से खरीदा था और बाद में पत्नी को मिठाई में मिलाकर खिला दिया।

प्रोद्दातुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विभु कृष्णा ने बताया कि भद्रिपल्ली किरण और उसकी पत्नी भद्रिपल्ली पद्मजा के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार किरण अपनी पत्नी के मोटापे और जंक फूड खाने की आदत से परेशान रहता था, जिसको लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे।

करीब एक साल पहले किरण का हैदराबाद की एक महिला के साथ कथित प्रेम संबंध भी शुरू हो गया था। इसके बाद पति-पत्नी के रिश्ते और खराब हो गए। पुलिस का कहना है कि इसी दौरान किरण ने पत्नी को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

पुलिस जांच में सामने आया कि किरण ने बिना पकड़े गए किसी को जहर देकर मारने के तरीके सोशल मीडिया और इंटरनेट पर तलाशने शुरू किए। इसी दौरान उसका संपर्क एक यूट्यूबर से हुआ, जिससे उसने कथित तौर पर 80 हजार रुपये में जहरीला पदार्थ खरीदा।

ममता बनर्जी नहीं रहीं मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल विधानसभा भंग

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल खत्म होते ही राज्यपाल ने पूरी कैबिनेट को भंग कर दिया और इसके साथ ही ममता बनर्जी अब मुख्यमंत्री नहीं रहीं।

गुरुवार, 7 मई को राज्यपाल आर.एन. रवि ने राज्य विधानसभा को भंग करने का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया। कोलकाता गजट में प्रकाशित इस नोटिफिकेशन के बाद ममता बनर्जी की सरकार संवैधानिक रूप से खत्म हो गई।

राज्यपाल ने लिया फैसला - राज्यपाल ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174(2)(b) के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह फैसला लिया। नोटिफिकेशन पर मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला के हस्ताक्षर हैं। विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने के साथ ही 15 साल पुराना तृणमूल कांग्रेस शासन भी खत्म हो गया।

ममता का इस्तीफे से इनकार - इससे पहले ममता बनर्जी ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था, जिसके चलते सियासी खींचतान जारी थी। इसके बावजूद राज्यपाल ने संवैधानिक प्रक्रिया अपनाते हुए कैबिनेट और विधानसभा को भंग कर दिया।

तीन बार ष्टरूरह चुकीं ममता - ममता बनर्जी 2011 से लगातार सत्ता में थीं और तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। उनका कार्यकाल विवादों, हिंसा और विकास योजनाओं के मिश्रण के लिए जाना जाता है। अब सत्ता परिवर्तन के बाद राज्य में नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है।

लिपुलेख पर भारत ने नेपाल को फिर दिया जवाब, कहा- एकतरफा दावा सही नहीं, हम बातचीत को तैयार

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत ने लिपुलेख दर्रे और कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर नेपाल की आपत्तियों पर एक बार फिर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि नेपाल द्वारा किए जा रहे एकतरफा और कृत्रिम क्षेत्रीय विस्तार के दावे सही नहीं हैं। विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत की स्थिति पहले से स्पष्ट और लगातार एक जैसी रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा इस मार्ग से कोई नई शुरुआत नहीं है, बल्कि यह 1954 से जारी है।

उन्होंने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से इसी मार्ग के जरिए होती रही है। यह कोई नया विकास नहीं है। हमने अपने

आधिकारिक बयान में साफ कहा है कि एकतरफा और कृत्रिम क्षेत्रीय विस्तार का दावा सही नहीं है। दरअसल, नेपाल ने हाल ही में लिपुलेख क्षेत्र से कैलाश मानसरोवर यात्रा संचालित किए जाने पर आपत्ति जताई थी। काठमांडू का कहना है कि यह क्षेत्र नेपाल के अधिकार क्षेत्र में आता है और भारत को इस इलाके में कोई भी गतिविधि नेपाल की सहमति के बिना नहीं करनी चाहिए।

नेपाल के विदेश मंत्रालय की टिप्पणियों के बाद भारत ने रविवार को भी प्रतिक्रिया देते हुए नेपाल के दावों को अस्थिर और तथ्यहीन बताया था। अब विदेश मंत्रालय ने फिर दोहराया है कि भारत के पास अपने दावों को लेकर ऐतिहासिक तथ्य और साक्ष्य मौजूद हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत लगातार यह कहता आया है कि ऐसे दावे न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित हैं और न ही उचित हैं।

सीमा विवाद पर बातचीत के लिए तैयार भारत- भारत ने साथ ही यह भी संकेत दिया कि यदि सीमा से जुड़े मुद्दे हैं तो नई दिल्ली बातचीत के लिए तैयार है। जायसवाल ने कहा कि अगर सीमा संबंधी मुद्दे हैं तो हम उन पर चर्चा के लिए भी तैयार हैं। लेकिन एकतरफा दावा करना सही तरीका नहीं है।

भारत का यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को लेकर समय-समय पर राजनीतिक तनाव देखने को मिलता रहा है। लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र लंबे समय से भारत और नेपाल के बीच विवाद का विषय रहे हैं।

क्या है लिपुलेख विवाद- लिपुलेख दर्रा भारत, नेपाल और चीन (तिब्बत) के त्रि-जंक्शन के पास स्थित एक रणनीतिक क्षेत्र है। भारत इसे उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा मानता है, जबकि नेपाल इस पर अपना दावा करता है।

जासूसी का नया तरीका? पंजाब में PAK बॉर्डर पर स्मार्ट मीटरों से सिम कार्ड गायब

फिरोजपुर/ जीएनएस। देश की सरहद की रक्षा करने वाले गांवों में इन दिनों एक नई चिंता घर कर गई है। पाकिस्तान सीमा से सटे गांव टेंडीवाला, चूड़ीवाला और हस्तीवाला में स्मार्ट मीटरों से सिम कार्ड चोरी होने की घटनाओं ने लोगों की नींद उड़ा दी है। यह सिर्फ चोरी का मामला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक संवेदनशील मुद्दा बनता जा रहा है।

थाना सदर पुलिस को दी लिखित शिकायत में सुलखन सिंह और मक्खन सिंह निवासी गांव रहीमेके गट्टी ने आरोप लगाया कि 3 मई की रात को अज्ञात चोरों ने उनके दो मीटरों से सिम को चोरी कर लिया है। जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरहद के नजदीक रहने वाले ग्रामीण पहले ही ड्रोन के जरिए होने वाली नशा और हथियारों की तस्करी से भयभीत हैं। अब स्मार्ट मीटरों से सिम गायब होने की घटनाओं ने उनकी चिंता को और गहरा कर दिया है। गांव टेंडीवाला निवासी मुख्तियार सिंह ने बताया कि कुछ समय पहले सुरक्षा एजेंसियो ने उन्हें सूचना दी थी कि अगर गांव में स्मार्ट मीटर लगे हैं तो उनकी चिप का ध्यान रखा जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अगले दिन ही उन्होंने देखा कि गांव में लगे मीटरों के बॉक्स में लगे दो स्मार्ट मीटर की सील तोड़कर चिप गायब थी। उनके गांव के साथ बीएसएफ की बीओपी शामेके पड़ती है और पाकिस्तान यहां से मात्र एक किलोमीटर की दूरी पर है।

मुंबई तरबूज-बिरयानी मामलाः 4 लोगों की मौत में चौंकाने वाला खुलासा, चूहे मारने वाले जहर से हुई थी मौत

नई दिल्ली/ जीएनएस। साउथ मुंबई में पिछले महीने एक ही परिवार के चार लोगों की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। शुरुआती जांच में इसे तरबूज खाने से हुई फूड पॉइजनिंग माना जा रहा था, लेकिन अब फॉरेंसिक जांच में पता चला है कि मौत जिंक फॉस्फाइड नाम के जहरीले रसायन से हुई। यह रसायन आमतौर पर चूहे मारने की दवा में इस्तेमाल किया जाता है।

मृतकों में अब्दुल्ला दोकाडिया, उनकी पत्नी नसरीन और उनकी दो बेटियां जैनब और आयशा शामिल थीं। पुलिस के मुताबिक परिवार ने 25 अप्रैल को अपने घर पर रिश्तेदारों को खाने पर बुलाया था। सभी ने मटन पुलाव खाया था और रिश्तेदार रात करीब 10 से 10.30 बजे के बीच वहां से चले गए थे।

इसके बाद परिवार ने रात करीब 1 बजे तरबूज खाया। सुबह 5 से 6 बजे के बीच सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें उल्टी और दस्त की शिकायत हुई, जिसके बाद अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कुछ ही घंटों में चारों की मौत हो गई।

फॉरेंसिक जांच में हुआ बड़ा खुलासा- शुरुआती जांच में पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया था। पोस्टमार्टम के दौरान शवों से सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए थे। बाद में फॉरेंसिक जांच में चारों के शरीर में जिंक फॉस्फाइड के अंश मिले।

जांच एजेंसियों को तरबूज के सैंपल में भी यही जहरीला रसायन मिला है। अब पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह जहर गलती से तरबूज में

शतरंज का खेलज्पारी की हारज्ट्रस्टेड ऑर्केस्ट्राः सैन्य कमांडरों ने ऐसे किया ऑपरेशन सिंदूर का बखान

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय सेना द्वारा एक साल पहले आज ही के दिन 7 मई को तड़के ऑपरेशन सिंदूर का आगाज किया गया था। यह सैन्य कार्रवाई 22 अप्रैल को हुए भीषण पहलगाम आतंकी हमले का करारा जवाब थी। भारतीय वायुसेना और सेना के संयुक्त प्रहार ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकी कैंपों पर सटीक हमले कर उन्हें तहस-नहस कर दिया था।

सैन्य अधिकारियों ने आज ऑपरेशन सिंदूर की कठिनाइयों का जिक्र करने के लिए कई उपमाओं का इस्तेमाल किया है। इस सैन्य कार्रवाई के नाम के साथ-साथ अब व्यापक रूप से पहचाने जाने वाले लोगो से भी एक स्पष्ट संदेश मिलता है।

ऑपरेशन सिंदूर से नई लक्ष्मण रेखा खींची - चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने इस संघर्ष की तुलना क्रिकेट से करते हुए इसे पाकिस्तान की पारियों की हार बताया। उन्होंने पिछले साल जून में पुणे की सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी में एक संबोधन के दौरान कहा था कि पाकिस्तान भारत को हजार छोटे-छोटे घावों से घायल करने की रणनीति अपनाता रहा है, लेकिन नई दिल्ली ने ऑपरेशन सिंदूर से सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ पूरी तरह नई एक लक्ष्मण रेखा खींच दी है, जिसे पार करना अब दुश्मन के लिए मुमकिन नहीं होगा।

इस सैन्य संघर्ष में भारतीय सेना को हुए नुकसान के बारे में पूछे जाने पर सीडीएस ने जवाब दिया था कि मान लीजिए आप क्रिकेट टेस्ट मैच में जाते हैं और आप एक पारी की हार से जीत जाते हैं... तो फिर विकेट की संख्या, गेंदों की संख्या और खिलाड़ियों की संख्या का कोई सवाल ही नहीं उठता। यह (पाकिस्तान को मिली) पारियों की हार है। टॉप सैन्य कमांडर के जवाब पर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाई थीं।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने किया शहर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण, सुधार के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने बुधवार सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर सफाई व्यवस्था और स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य अधिकारी, संबंधित जोनल अधिकारी, सीएसआई सहित निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने रहवासी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

आयुक्त श्री सिंघल ने तिलक पथ, रामबाग, मल्हार आश्रम मैदान, अमन कचहरी, इमली बाजार चौराहा, मार्तंड चौक, भोई मोहल्ला और रानीपुरा झंडा चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर सफाई व्यवस्था, सीटीपीटी, मार्केट क्षेत्रों और निगम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान वे सबसे पहले जोन क्रमांक-03 अंतर्गत तिलक पथ स्थित मल्हार आश्रम के पास शासकीय 15 नंबर स्कूल के पीछे बने सीटीपीटी पहुंचे। यहां उन्होंने सफाई व्यवस्था में और सुधार करने, आवश्यक संधारण कार्य तत्काल कराने तथा नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इसके बाद आयुक्त ने तिलक पथ, मार्तंड चौक, इमली बाजार चौराहा होते हुए अमन कचहरी क्षेत्र का निरीक्षण किया। अमन कचहरी स्थित निगम के वाहन पार्किंग स्थल का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान वहां खड़े पुराने एवं अनुपयोगी निगम वाहनों के संबंध में अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

आयुक्त श्री सिंघल ने सुभाष मार्ग स्थित भोई मोहल्ला मच्छी मार्केट क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाजार क्षेत्रों में प्रतिदिन नियमित सफाई, कचरा संग्रहण और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

इसके पश्चात उन्होंने जोन क्रमांक-11 अंतर्गत रानीपुरा झंडा चौक के सामने वाली गली और आसपास के बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था, कचरा उठाव और क्षेत्रीय स्वच्छता कार्यों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त श्री सिंघल ने सभी जोनल अधिकारियों, स्वास्थ्य अधिकारियों और सीएसआई को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित मॉनिटरिंग करने और पर्याप्त सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी मैदानी स्तर पर सक्रिय रहकर कार्य करें।

जोन- 2 नगरीय इंदौर के नए डीसीपी बने अमन सिंह राठौड़, संभाला पदभार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय इंदौर जोन-02 के नवागत पुलिस उपायुक्त श्री अमन सिंह राठौड़ ने बुधवार को अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कार्यालयीन अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा क्षेत्र की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर इंदौर के निर्देशन में प्रभावी एवं बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने के लिए वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों को टीम भावना के साथ कार्य करने तथा जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए समर्पित भाव से दायित्व निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। नवागत डीसीपी ने स्पष्ट किया कि आमजन की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी तथा पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

शिक्षा विभाग में 2.86 करोड़ के गबन में भृत्य जोशी गिरफ्तार, बीवी-बच्चों के खाते में जमा किए थे पैसे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूली शिक्षा विभाग के इंदौर विकासखंड (ब्लाक) शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय में हुए 2.86 करोड़ रुपये के गबन में बुधवार को भृत्य सिद्धार्थ जोशी को एमजी रोड पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित ने पत्नी और बच्चों के खाते में 1.75 करोड़ रुपये जमा किए थे। मामले में अतिथि शिक्षक सहित 13 के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक जिला शिक्षा अधिकारी के पत्र एवं जांच में लिए गए कथनों के अनुसार पांच मुख्य आरोपितों और आठ सह आरोपितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। मुख्य आरोपितों द्वारा आठ सह आरोपितों के कुल 33 बैंक खातों में शासकीय मद की दो करोड़ से अधिक राशि ट्रांसफर कर गबन किया गया है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने मामले में आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए थे। बता दें कि भोपाल स्थित आईटी सेल द्वारा गबन के मामले को पकड़ा गया था। गबन में बड़े अधिकारियों की भूमिका होने की भी शंका है, जो गबन के दौरान इंदौर विकासखंड कार्यालय में पदस्थ रहे हैं। सिद्धार्थ जोशी, भृत्य (शाउमावि खजराना) - मोहन दांगी, अतिथि शिक्षक (शासकउमावि कम्पेल) - पवन खामोद, भृत्य (शासकउमावि कम्पेल) - छोटेलाल गौड, सहायक ग्रेड- दो, (शासकउमावि संयोगितागंज) - केदारनारायण दीक्षित, अतिथि शिक्षक (शासकउमावि संयोगितागंज) जांच में सामने आया कि आरोपित सिद्धार्थ जोशी ने पत्नी रेणु और बेटी मोहक जोशी निवासी एलपी भार्गव नगर (उज्जैन) के खाते में 1.75 करोड़ रुपये जमा किए थे। इन दोनों को भी पुलिस ने सह आरोपित बनाया है।

अपर मुख्य सचिव व इंदौर संभाग प्रभारी श्री अनुपम राजन पेयजल और गेंहू उपार्जन व्यवस्थाओं का जायजा लेने धार पहुँचे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर मुख्य सचिव व इंदौर संभाग के प्रभारी श्री अनुपम राजन गुरुवार को धार पहुँचे। यहाँ उन्होंने इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का निरीक्षण कर जल जीवन मिशन और समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन सम्बंधी व्यवस्थाएं देखी। इस दौरान वे पेयजल सम्बंधी समस्याओं का जायजा लेने सेजवाया और लेबड़ पहुँचे। यहां उन्होंने ग्रामीणों से सीधा फीडबैक लिया। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि 2 वर्ष से पंचायत द्वारा योजना संचालित की जा रही है। पानी पर्याप्त समय उपलब्ध होता है। साथ ही इस दौरान मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारी से भी जानकारी लेकर जल कर वसूली के सम्बंध में निर्देश दिए। वहीं अपर मुख्य सचिव श्री राजन ने बाकसाना व लेबड़ के उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। उपार्जन केंद्र पर मौजूद किसानों से उन्होंने भुगतान, स्लॉट बुकिंग के साथ ही किसानों से सुझाव भी मांगे। इस दौरान इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, धार कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीणा, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक चौधरी सहित खाद्य विभाग, पीएचई और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। मुख्य सचिव श्री राजन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन केंद्रों पर पर्याप्त इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे अनिवार्य रूप से चालू रहें ताकि किसानों को प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने एफएक्यू मापदंड के अनुरूप खरीदी, पर्याप्त बारदाना, तिरपाल की उपलब्धता और खरीदे गए अनाज के तत्काल परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही केंद्रों पर किसानों के लिए छायादार स्थान और ठंडे पेयजल की उपलब्धता को प्राथमिकता देने को कहा।

नेशनल लोक अदालत 9 मई को, संपत्ति और जलकर के सरचार्ज में मिलेगी 100 प्रतिशत तक की छूट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम द्वारा 09 मई 2026 शनिवार को शहर के सभी 22 झोनल कार्यालयों, रजिस्ट्रार कार्यालय और निगम मुख्यालय पर नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल और राजस्व प्रभारी श्री निरंजनसिंह चौहान ने करदाताओं से लोक अदालत का लाभ उठाकर बकाया राजस्व जमा करने और शहर विकास में सहयोग करने की अपील की है।

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 एवं शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस लोक अदालत में संपत्ति कर और जलकर के अधिभार (सरचार्ज) में विशेष छूट दी जाएगी। साथ ही वर्ष 2026-27 का अग्रिम संपत्ति कर जमा करने पर 6.25 प्रतिशत तथा जलकर जमा करने पर 6 प्रतिशत की छूट 30 जून तक प्रदान की जा रही है।

लोक अदालत में संपत्ति कर के ऐसे मामलों में, जिनमें कर एवं अधिभार की कुल राशि 50 हजार रुपए तक बकाया है, अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। 50 हजार रुपए से अधिक और एक लाख रुपए तक के बकाया प्रकरणों में अधिभार पर 50 प्रतिशत तक तथा एक लाख रुपए से अधिक बकाया होने पर 25 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

इसी प्रकार जलकर के मामलों में 10 हजार रुपए तक की बकाया राशि पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। 10 हजार से अधिक और 50 हजार रुपए तक के बकाया मामलों में अधिभार पर 75 प्रतिशत तथा 50 हजार रुपए से अधिक के मामलों में 50 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी।

महापौर श्री भार्गव और आयुक्त श्री सिंघल ने बताया कि करदाताओं की सुविधा के लिए सभी झोनल कार्यालयों और निगम मुख्यालय पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। यहां बैठने, पेयजल, पंखे, कूलर, टेंट, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे लोक अदालत में पहुंचकर संपत्ति कर और जलकर जमा करें तथा अधिभार में दी जा रही छूट का लाभ उठाएं।

उपार्जन के शेष समय में पर्याप्त तोल कांटों के साथ ही निरीक्षण दल बनाकर सतत निगरानी रखें: एसीएस श्री राजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर मुख्य सचिव व इंदौर संभाग के प्रभारी श्री अनुपम राजन की अध्यक्षता में आज गेहूँ उपार्जन एवं पेयजल व्यवस्था को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, खाद्य नागरिक एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक में इंदौर से संयुक्त आयुक्त विकास श्रीमती शिवानी वर्मा, उपायुक्त विकास श्री पुरुषोत्तम पाटीदार, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के चीफ इंजीनियर श्री संजय कुमार एवं अधीक्षण यंत्री शामिल रहे।

धार वीसी कक्ष से संचालित हुई कान्फ्रेंस में अपर मुख्य सचिव एवं प्रभारी इंदौर संभाग श्री अनुपम राजन ने संभाग के गेहूँ उपार्जन एवं पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि पेयजल और उपार्जन शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इस पर विशेष ध्यान दे। उन्होंने कहा कि गेहूँ उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण करने के लिए निरीक्षण दल बनाकर सतत मॉनिटरिंग करें और समीक्षा भी करें। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों पर किसानों का गेहूँ तुलाई समय पर हो, शेष समय में पर्याप्त तौल कांटों की निगरानी रखें। उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए शीतल पेयजल, छाया सहित बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाए। जो भी स्थानीय समस्या आये कलेक्टर तत्काल सक्रियता के साथ निराकरण करेंगे। किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आये, इसका विशेष ध्यान रखें।

पिपलिया पाला तालाब के गहरीकरण कार्य का शुभारंभ, जल संरक्षण की दिशा में नगर निगम की पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन की दिशा में नगर निगम द्वारा एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए शहर की ऐतिहासिक धरोहर पिपलिया पाला तालाब के गहरीकरण कार्य का शुभारंभ निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री श्री अश्विन जनवदे, भारतीय जैन संघटन इंदौर उमंग एवं जैन इंजीनियर्स सोसायटी के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

आयुक्त श्री सिंघल ने कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। लगातार घटते भू-जल स्तर और बढ़ती जल आवश्यकता को देखते हुए शहर के तालाबों, जल स्रोतों और प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण एवं संवर्धन अत्यंत जरूरी है। उन्होंने कहा कि पिपलिया पाला तालाब के गहरीकरण से जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि होगी तथा आसपास के क्षेत्रों के भू-जल स्तर में सुधार आने की संभावना है। साथ ही यह कार्य पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और हरित वातावरण विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि नगर निगम विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से लगातार जल संरक्षण अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में भारतीय जैन संघटन इंदौर उमंग और जैन इंजीनियर्स सोसायटी द्वारा सीएसआर के माध्यम से तालाब गहरीकरण कार्य में दी जा रही सहभागिता सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से होने वाले ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान भारतीय जैन संघटन इंदौर उमंग के श्री संतोष कुमार जैन, श्री अरविंद तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और जल संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। साथ ही नागरिकों से जल स्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई।

महत्वपूर्ण हैं ये 200 अंक, बैकलेन को साफ-स्वच्छ, सुंदर बनाकर जीत सकते हैं हम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ सर्वेक्षण में इस बार बैकलेन की सुंदरता और स्वच्छता के लिए 200 अंक निर्धारित किए गए हैं। स्वच्छता में हमारे शहर को चुनौती देने वाले शहर और इंदौर के बीच अंकों का अच्छा खासा अंतर सिर्फ इसलिए होता है कि क्योंकि स्वच्छता हमारे संस्कारों में है। हम सिर्फ सड़कों को ही साफ-स्वच्छ नहीं रखते बल्कि बैकलेन की स्वच्छता और सुंदरता को लेकर भी सजग हैं। हम जानते हैं कि स्वच्छता में नंबर वन बनना भले ही आसान हो, लेकिन लगातार आठ वर्ष तक खुद को नंबर बन बनाए रखना आसान नहीं होता। इस वर्ष भी हमारे सामने चुनौती है एक बार फिर खुद को सिद्ध करने की। देशभर को बताने की कि इंदौरी जो ठान लेते हैं उसे हासिल करके ही छोड़ते हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण टीम मई के अंतिम सप्ताह में इंदौर पहुंचने की संभावना है। इंदौर में 4500 से ज्यादा बैकलेन हैं। नगर निगम नागरिकों की सहभागिता अब तक तीन हजार से ज्यादा बैकलेन को आदर्श बना चुका है। जो बैकलेन कभी गंदगी से अटी पड़ी रहती थीं, वहां अब खेल गतिविधियां हो रही हैं। बच्चे बैठकर पेंटिंग कर रहे हैं। पोहा पार्टी आयोजित हो रही है। यह सब कुछ हुआ है जनभागीदारी और जागरूकता से। नगर निगम ने तीन हजार से ज्यादा बैकलेन को सुंदर तो बना लिया, लेकिन अब यह जनता की जिम्मेदारी है कि वह इन बैकलेन को सुंदर बनाए रखे। इन्हें स्वच्छ बनाए रखे। इनमें कचरा और गंदगी न डाले।

बैकलेन की जांच करेगी टीम- इंदौर आने वाली स्वच्छ सर्वेक्षण टीम सड़कों की स्वच्छता ही नहीं बल्कि बैकलेन की स्वच्छता की भी जांच करेगी। वह यह देखेगी कि कहीं नागरिकों ने इन बैकलेन में दोबारा कचरा और गंदगी डालना तो शुरू नहीं कर दिया। नगर निगम ने जिन बैकलेन को सुंदर बनाने का दावा किया है वे वास्तव में कितने सुंदर हैं। इनकी सुंदरता को बनाए रखने के लिए आमजन क्या प्रयास कर रहे हैं।

हमें यह करना है- इंदौर को स्वच्छता में सिरमौर बनाए रखने के लिए बैकलेन की सुंदरता के 200 अंक प्राप्त करना हमारे लिए जरूरी है। जरूरी है कि हम बैकलेन में कचरा न फेंके, बैकलेन को सुंदर स्वच्छ बनाए रखें। निगम द्वारा बैकलेन में किए गए नवाचारों को बनाए रखें।

बैकलेन को सुंदर बनाए रखना जरूरी है। स्वच्छ सर्वेक्षण में इसके 200 अंक है। स्वच्छता को लेकर अन्य शहर भी अच्छे प्रयास कर रहे हैं, ऐसे में हमारे लिए बैकलेन के पूरे अंक प्राप्त करना जरूरी है।

-पुष्यमित्र भार्गव, महापौर इंदौर

प्रतिबंधित पॉलीथिन के खिलाफ नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, 2750 किलो प्लास्टिक जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम द्वारा शहर को सिंगल यूज़ प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित पॉलीथिन मुक्त बनाने के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगम स्वास्थ्य विभाग ने जोन क्रमांक-21 के वार्ड क्रमांक-79 अंतर्गत कैट रोड स्थित फैमिली कलेक्शन (मोक्ष ट्रेडर्स) पर कार्रवाई करते हुए लगभग 2750 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त कर गोदाम को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देश एवं अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विशेष पॉलीथिन चेकिंग अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान निगम टीम ने दुकान संचालक से परिसर खोलने का आग्रह किया, लेकिन सहयोग नहीं मिलने और दुकान नहीं खोले जाने पर टीम ने नियमानुसार आरी से ताला काटकर जांच की।

जांच के दौरान गोदाम में भारी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलीथिन और कैरीबैग का अवैध भंडारण पाया गया। निगम टीम ने मौके से करीब 2750 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की। प्रतिबंधित सामग्री मिलने पर संबंधित गोदाम को तत्काल सील कर दिया गया तथा जब्त पॉलीथिन को नियमानुसार निपटान के लिए नेप्रा स्थित प्लांट भेजा गया।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं पॉलीथिन का निर्माण, भंडारण, विक्रय और उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। निगम प्रशासन ने व्यापारियों और नागरिकों से सिंगल यूज़ प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग बंद कर पर्यावरण हितैषी विकल्प अपनाने की अपील की है।

कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी श्री अवधनारायण सिंह, सीएसआई श्री विजय यादव, सहायक सीएसआई श्री रवि सिंह, वार्ड सहायक दरोगा श्री मिंटू कल्याणे तथा टीम बेसिक्स के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

इंस्टाग्राम की एन्क्रिप्शन नीति पर मेटा की सफाई... हाई कोर्ट में कहा - केवल शासन को देंगे जानकारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा प्रबंधन ने बुधवार को हाई कोर्ट में कहा कि उसके द्वारा एंड-टू-एंड एंक्रिप्टेड मैसेजिंग सेवा जारी रखी गई है।

उसने पॉलिसी में परिवर्तन जरूर किया है लेकिन सिर्फ इतना कि अगर शासन किसी मामले में उससे जानकारी मांगेगी तो वह शासन को जानकारी उपलब्ध कराएगी। किसी तीसरे व्यक्ति को किसी तरह की जानकारी नहीं दी जाएगी। मेटा ने यह मौखिक जानकारी बुधवार को उस जनहित याचिका में दी जिसमें इंस्टाग्राम की एंड-टू-एंड एंक्रिप्टेड मैसेजिंग सेवा समाप्त होने की सूचना को चुनौती दी गई है। कोर्ट ने मेटा को नोटिस जारी कर छह सप्ताह में लिखित जवाब मांगा है।

इंस्टाग्राम द्वारा अपने प्लेटफॉर्म से एंड-टू-एंड एंक्रिप्टेड मैसेजिंग सेवा आठ मई से समाप्त करने की सूचना जारी की गई है। इसे चुनौती देते हुए अभिभाषक पार्थ शर्मा ने जनहित याचिका प्रस्तुत की है। इसमें आरोप है कि कंपनी की इस पालिसी से निजता का हनन होगा।

गुमाश्ता नगर में होगा आचार्य श्रीमद्विजय हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. का भव्य मंगलमय पदार्पण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महानगर के गुमाश्ता नगर श्रीसंघ में शनिवार, 9 मई 2026 को मालव केसरी वर्तमान गच्छाधिपति पूज्य आचार्य देव श्रीमद्विजय हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. सहित मुनिमंडल एवं श्रमणीमंडल का मंगलमय पदार्पण श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ होगा। आयोजन को लेकर संपूर्ण जैन समाज में उत्साह का वातावरण है तथा तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

कार्यक्रम संयोजक देवेश जैन ने बताया कि भव्य मंगल प्रवेश सामैया प्रातः 8 बजे नाकोड़ा मंदिर से प्रारंभ होगी, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए गुमाश्ता नगर स्थित श्री सीमंधर स्वामी राजेन्द्रसूरी गुरु मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं, युवा एवं समाजजन धर्म ध्वजाओं और जयकारों के साथ शामिल होंगे। आयोजन समिति द्वारा स्वागत मार्ग को आकर्षक सजावट, बैनर एवं धार्मिक संदेशों से सजाया जा रहा है।

मंगल प्रवेश के पश्चात पूज्य आचार्यश्री के प्रवचन श्री सीमंधर स्वामी जिनालय में आयोजित होंगे, जिनमें धर्म, संयम, तप एवं आध्यात्मिक जीवन पर प्रेरणादायी उद्बोधन दिए जाएंगे। इसके बाद सकल श्रीसंघ का स्वामीवात्सल्य भी आयोजित किया गया है।

इस धार्मिक आयोजन के लाभार्थी संतोषजी, देवेश, भावेश, युवान एवं नीत पिपाड़ा परिवार, राजगढ़-इंदौर हैं। श्री जैन श्रीसंघ गुमाश्ता नगर, इंदौर ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर जिनशासन की शोभा बढ़ाने एवं धर्मलाभ लेने की अपील की है।

किसान चक्का जाम आंदोलन पर मंत्री सिलावट और भाजपा जिला अध्यक्ष चावड़ा का कांग्रेस पर हमला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कांग्रेस द्वारा किए जा रहे किसान चक्का जाम आंदोलन को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस को किसानों के नाम पर राजनीति करने के बजाय उनसे माफी मांगनी चाहिए।

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि कांग्रेस का आंदोलन पूरी तरह राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पूर्व में किसानों से झूठे वादे कर उन्हें ठगने का काम किया था, जबकि भाजपा सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों से एक-एक दाना गेहूं खरीदने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

सिलावट ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने गेहूं उपार्जन केंद्रों पर भंडारण क्षमता को 100 प्रतिशत से बढ़ाकर 120 प्रतिशत कर दिया है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कहा कि कांग्रेस ने कर्जमाफी के नाम पर किसानों को गुमराह कर वादाखिलाफी की और उन्हें डिफॉल्टर बनाने का काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों को सम्मान और आर्थिक मजबूती देने के लिए निरंतर योजनाएं संचालित कर रही है।

चावड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों को समर्थन मूल्य, किसान सम्मान निधि और फसल बीमा जैसी अनेक योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मध्यप्रदेश सरकार भी किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और कृषि लागत कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

लासुर में आजीविका मिशन की बयारः 15 स्वयं सहायता समूहों से जुड़े 185 परिवार, कलाबाई व शबाना बनीं स्वरोजगार की मिसाल

बदली गांव की तस्वीर-75 लाख से अधिक के बैंक ऋण से खुले किराना स्टोर व ब्यूटी पार्लर,

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के नीमच जिले से करीब 15 किलोमीटर दूर जावद विकासखण्ड का छोटा सा गाँव लासुर आज म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से बदलाव की नई कहानी लिख रहा है। वर्ष 2019 से पूर्व जहाँ गाँव में एक भी स्वयं सहायता समूह नहीं था, आज यहाँ 15 स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे लगभग 185 सभी सामाजिक एवं आर्थिक श्रेणी के लक्षित परिवार जुड़ चुके हैं।

समूह गठन से आर्थिक सशक्तिकरण तक का सफर- ग्राम पंचायत लासुर में पाटीदार, रावत मीना, बैरागी, मेघवाल, जाटव, राठौर जाति के परिवारों की बहुलता है। वर्ष 2019 में गरीब परिवारों को चिन्हित कर समूह गठन की मुहिम चलाई गई। सबसे पहले महिलाओं को घर से बाहर निकालकर समूह में संगठित किया गया। आज उसी का परिणाम है कि गाँव में 10 महिला स्वयं सहायता समूह गठित हो गए हैं। इन समूहों को यूको बैंक सरवानिया महाराज एवं एच.डी.एफ.सी. बैंक नीमच के माध्यम से अभी तक 75 लाख रुपये से अधिक का ऋण दिलवाया जा चुका हैं।

स्वरोजगार की मिसाल बनीं महिलाएं- श्रीमती कलाबाई ने वर्ष 2019 में समूह से जुड़ने के बाद, उन्होंने समूह से 1.50 लाख रूपये का ऋण लेकर अपना स्वयं का किराना एवं जनरल स्टोर के साथ ब्यूटी पार्लर का कार्य प्रारंभ किया। आज कलाबाई एवं उनका परिवार खुशी-खुशी अपना जीवन यापन कर रहा है

शबाना ने म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से समूह से ऋण एवं सी.सी.एल. ऋण प्राप्त कर स्वयं का किराना एवं जनरल स्टोर का कार्य प्रारंभ कर रोजगार स्थापित किया है।

संगठनात्मक पहल से हुआ सुविधाओं का विस्तार- मिशन के प्रयासों से महिला स्वयं सहायता समूहों के गठन, सशक्तिकरण एवं बैंक तथा मिशन से प्राप्त धनराशि की उपलब्धता से जहाँ समूह सदस्यों एवं परिवारजनों हेतु रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं, वहीं ग्राम विकास हेतु शासन एवं ग्राम पंचायत के माध्यम से प्रयास तेज हो रहे हैं। इसका श्रेय ग्रामीण आजीविका मिशन को ही जाता है। अब ग्राम में विकास की बयार बह रही है और पंचायतीराज संस्थाओं को भी मजबूती मिल रही है।

समूह से जुड़ी महिलाएं लाड़ली बहना, लखपति दीदी, पशु सखी, कृषि सखी एवं अन्य क्षमतावर्धन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी कर रही हैं और समूह गठन में सहयोग भी दे रही हैं। लासुर गाँव अब सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सक्षम होने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के तहत नीमच से 23 यात्रियों को दल रवाना

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत जिले के 23 तीर्थ यात्रियों का दल गुरूवार को न.पा. नीमच के परिसर से सोमनाथ तीर्थदर्शन के लिए रवाना हुआ। विधायक नीमच श्री दिलीप सिह परिहार, नीमच न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा व अन्य जनप्रतिनिधियों, एडीएम श्री बी.एस.कलेश ने यात्रियों का पुष्पहारों से स्वागत कर उन्हें सोमनाथ के लिए रवाना किया।

विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, नीमच न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा व अन्य जनप्रतिनिधियों और पार्षदगणों ने यात्रियों के वाहन को हरी झण्डी दिखाकर सोमनाथ के लिए रवान किया। यह तीर्थ यात्रा वाहन यात्रियों को उज्जैन रेल्वे स्टेशन पहुचाएगा। जहां से वे विशेष ट्रेन द्वारा सोमनाथ के लिए रवाना होगी। यात्रियों के साथ दो अनुरक्षक भी सोमनाथ यात्रा के लिए भेजे गये है, जो यात्रियों की सुविधाओं का ध्यान रखेंगे। इस मौके परकि एसडीएम श्री संजीव साहू, न.पा.के पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, यात्री एवं उनके परिजन भी उपस्थित थे।

आईपीएल क्रिकेट में एक को पकड़ा, एक करोड़ से ज्यादा का हिसाब मिला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यशोधर्मन नगर थाना पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट सट्टे पर लगाम लगाते हुए कार्रवाई कर ऑनलाईन सट्टाउतारने वाले सटोरिये को पकड़ा है। आरोपी के कब्जे से एक मोबाईल मिला है, जिसमें एक करोड़ 14 लाख 66 हजार 150 रुपए के सट्टे का हिसाब-किताब मिला है। इसके अलावा 50 हजार रुपए नकदी एवं एक डायरी में 58 हजार रुपए से अधिक का हिसाब भी जब्त किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्ष विनोद द कुमार मीना एवं अन्य अधिकारियों के निर्देशन में की गई है। मामले में दो और आरोपी बनाए गए हैं, जिनमें एक आरोपी उज्जैन का है तथा एक आरोपी मंदसौर का ही है। दोनों की तलाश की जा रही है। घटना अनुसार यशोधर्मननगर थाना प्रभारी निरीक्षक शिवांशु मालवीय के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा 6 मई को अवैध रूप से मोबाईल पर आईपीएल क्रिकेट सट्टा उतारते हुए आरोपी इमरान पिता याकुब शाह मुसलमान उम्र 38 वर्ष निवासी इंदिरा कॉलोनी को पकड़ा गया। आरोपी इमरान से सघनता से पूछताछ की गई, जिस पर उसने उसके मोबाईल पर ऑनलाईन क्रिकेट सट्टे की वेबसाईड के माध्यम से ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा उतारना स्वीकार किया। साथ ही उसने बताया कि सट्टा उतारने के लिए आईडी राहुल भावसार निवासी उज्जैन के द्वारा दी गई थी।

अजा-जजा वर्ग के लिए स्वरोजगार की तीन योजनाएं संचालित, 1 लाख से 50 लाख तक के ऋण पर मिलेगा ब्याज अनुदान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र.शासन द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से तीन महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को बैंक ऋण पर ब्याज अनुदान एवं गारंटी फीस में शासन द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है।

संत रविदास स्वरोजगार योजना (अनुसूचित जाति हेतु)- परियोजना लागतः उद्योग (विनिर्माण) इकाई के लिए 1.00 लाख से 50.00 लाख तक एवं सेवा इकाई व खुदरा व्यवसाय हेतु 1.00 लाख से 25.00 लाख तक।

पात्रताः 18 से 45 वर्ष आयु, न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक न हो।

वित्तीय सहायताः बैंक द्वारा वितरित टर्म लोन व वर्किंग कैपिटल लोन पर 5त्न प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान, अधिकतम 7 वर्षों तक। गारंटी फीस म.प्र. शासन द्वारा देय।

डॉ.भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना (अनुसूचित जाति हेतु)- परियोजना लागतः 10 हजार से 1 लाख तक की स्वरोजगार परियोजनाएं।

पात्रताः 18 से 55 वर्ष की आयु, आयकर दाता न हो।

वित्तीय सहायताः बैंक ऋण पर 7त्न प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान, अधिकतम 5 वर्षों तक। गारंटी फीस म.प्र. शासन द्वारा देय।

भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना (अनुसूचित जनजाति हेतु)- परियोजना लागतः उद्योग (विनिर्माण) इकाई के लिए 1.00 लाख से 50.00 लाख तक एवं सेवा इकाई व खुदरा व्यवसाय हेतु 1.00 लाख से 25.00 लाख तक।

पात्रताः 18 से 45 वर्ष आयु, न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक न हो।

वित्तीय सहायताः बैंक ऋण पर 5त्न प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान, अधिकतम 7 वर्षों तक। गारंटी फीस म.प्र. शासन द्वारा देय।

आवेदन प्रक्रियाः तीनों योजनाओं में आवेदन samast.mponline.gov.in पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया जाना है। ब्याज अनुदान नियमित रूप से ऋण भुगतान (निर्धारित समय एवं राशि) की शर्त पर दिया जाएगा।

जिला प्रशासन ने जिले के पात्र अजा-जजा वर्ग के युवाओं से अपील की है, कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाकर स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करें तथा आर्थिक रूप से सशक्त बनें। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय, जिला अंत्यावसायी सहकारी समिति नीमच में संपर्क किया जा सकता है।

रेडकास सप्ताह के तहत नशामुक्ति जागरूकता चर्चा एवं रैली सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं रेडक्रास अध्यक्ष श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशन में 02 से 08 मई रेडकास सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा हैरेडकास सप्ताह के तहत गुरूवार को जिले के ग्राम दुदरसी एवं दारू में ग्राम पंचायतों की चौपाल पर ग्रामीणों के मध्य नशामुक्ति जागरूकता चर्चा की गई। उपस्थितजनों को नशा त्यागने, नशे के दुष्परिणाम एवं नशे से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

नशामुक्ति के प्रति जागरूकता हेतु ग्रामीणजनों के सहयोग से हाथों में नशा विरोधी स्लोगन की तखतियां लेकर नशामुक्ति रैली भी आयोजित की गई। साथ ही आयुष्मान केंद्रों पर भी नशामुक्ति जागरूकता हेतु पेम्पलेट्स वितरित किए। कार्यक्रम में दुदरसी ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधी श्री शम्भुलाल मेघवाल, रेडकास नशामुक्ति केन्द्र के कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

ईद के मद्देनजर मुस्लिम महासभा ने नपा को सौंपा ज्ञापन, बकरा मंडी में सुविधाओं की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्यौहार ईद-उल-अज़हा (बकरा ईद) के दृष्टिगत शहर के नाहर सैयद दरगाह ग्राउंड में लगने वाली बकरा मंडी में मूलभूत सुविधाओं और पुख्ता इंतजामों की मांग को लेकर मुस्लिम महासभा मंदसौर द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। गुरुवार, 7 मई को महासभा के जिलाध्यक्ष अब्दुल कादिर (आमीर पठान) के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने नगरपालिका कार्यालय पहुँचकर मुख्य नगरपालिका अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से नगर पालिका प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए बताया गया कि इस वार्षिक हाट में न केवल मंदसौर शहर, बल्कि आसपास के कई राज्यों और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में व्यापारी और आम जन पशुओं की खरीद-फरोख्त के लिए पहुँचते हैं। भारी भीड़ और जानवरों की आवक के कारण यहाँ वर्तमान व्यवस्थाएं चिंताजनक बनी हुई हैं। मुस्लिम महासभा ने प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि भीषण गर्मी को देखते हुए व्यापारियों और ग्राहकों के लिए शीतल एवं स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। साथ ही, मंडी में आने वाले मवेशियों के लिए पानी की बड़ी टंकियों (हौद) का निर्माण कराया जाए या अस्थाई टैंकर्स उपलब्ध कराए जाएं।

प्रतिनिधि मंडल ने स्वच्छता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर जोर देते हुए मंडी परिसर में सुलभ शौचालय, मोबाइल टॉयलेट्स और प्रतिदिन कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। इसके अतिरिक्त, यातायात के दबाव को देखते हुए संपर्क मार्गों पर उचित बैरिकेडिंग व पुलिस बल की तैनाती, असामाजिक तत्वों पर लगाम कसने के लिए अस्थाई पुलिस चौकी की स्थापना और कड़ी धूप से बचाव हेतु टीन शेड या शामियाने जैसी अस्थाई छाया की व्यवस्था करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। महासभा ने स्पष्ट किया कि इस आयोजन से नगर पालिका को राजस्व की प्राप्ति भी होती है, अतः मानवीय और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए इन सुविधाओं को समय रहते पूर्ण किया जाना चाहिए ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। नगर पालिका प्रशासन ने जनहित की इन मांगों पर त्वरित संज्ञान लेने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर महासभा के जिलाध्यक्ष अब्दुल कादिर (आमीर पठान), पूर्व पार्षद साबिर हुसैन शाह, अनीस खान, परवेज खान, साहिल शेख, इरफान खान आदि उपस्थित थे।

नल-जल योजना के संधारण के संबंध में सरपंच, सचिवों व पंप ऑपरेटरों का प्रशिक्षण संपन्न

तकनीकी मार्गदर्शन, जलकर निर्धारण व पानी की गुणवत्ता जांच संबंधी दिया प्रशिक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान तहत ग्रामीण नल-जल योजना के संचालन-संधारण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु ग्राम सरपंचों, सचिवों एवं पंप ऑपरेटरों का एक दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण गुरूवार को ग्राम पंचायत मोरवन के सभा कक्ष में आयोजित किया गया। इससे पूर्व नीमच विकासखण्ड में भी प्रशिक्षण संपन्न हो चुका है।

प्रशिक्षण के मुख्य बिंदु- लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं पीएमयू स्टाफ द्वारा प्रतिभागियों को योजना के नियमित संचालन, संधारण, तकनीकी रखरखाव तथा ग्रामीण स्तर पर आने वाली समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

उपलब्ध कराई गई प्रशिक्षण सामग्री- भारत सरकार द्वारा जारी मार्गदर्शिका, समिति गठन एवं जलकर निर्धारण हेतु मध्य प्रदेश शासन का गजट, जलकर वसूली हेतु नमूना रसीद प्रारूप, एफ.टी.के. किट के माध्यम से पानी की गुणवत्ता जांचने की प्रक्रिया से संबंधी सामग्री उपलब्ध करवाई गई।

प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्राम स्तर पर नल-जल योजनाओं का सतत एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन सुनिश्चित करना तथा पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखना है। अधिकारियों ने जलकर की नियमित वसूली एवं उपभोक्ता समितियों को सक्रिय करने पर भी विशेष जोर दिया। यह जानकारी कार्यालय यंत्री लो.स्वा.यांत्रिकी विभाग श्री दीपेश वास्पत ने दी है।

खरीफ बोनी हेतु नीमच जिले में 13,550 मे.टन उर्वरक उपलब्ध, किसानों को नहीं होगी खाद की कमी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खरीफ फसलों की बोनी की तैयारी के लिए नीमच जिले में उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है। जिले में मार्कफेड, सहकारी समितियों एवं निजी विक्रेताओं के पास कुल 13,550 मेट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। नीमच जिले में उर्वरक उपलब्धता (मे.टन में)- यूरिया 6150 मैट्रीक टन, डी.ए.पी. 2066 मैट्रीक टन, एम.ओ.पी. 366 मैट्रीक टन, एन.पी.के.एस. 4175 मैट्रीक टन, एस.एस.पी. 793 मैट्रीक टन, कु योग 13550 मैट्रीक टन जिले में उपलब्ध है। किसान भाई अपनी आवश्यकता अनुसार उर्वरक मार्कफेड के डबल लॉक केंद्र, सोसायटी अथवा निजी दुकान से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से बुकिंग कर प्राप्त कर सकते हैं। पोर्टल पर राजस्व पट्टाधारी, वन पट्टाधारी, सिकमी किसान, वृद्ध, दिव्यांग किसान एवं मृतक किसान के वारिसान के लिए भी खाद की व्यवस्था है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे फसल की अनुशंसित मात्रा के अनुसार अग्रिम बुकिंग कर एकमुश्त अथवा चरणबद्ध तरीके से सुविधानुसार उर्वरक का उठाव करें।

जिले में जारी फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान के तहत होटल समता सागर का निरीक्षण

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रीष्म ऋतु एवं बढ़ते तापमान के दृष्टिगत अग्निदुर्घटनाओं की संभावनाओं में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के आदेशानुसार जिले के विभिन्न अनुभागों में अग्नि सुरक्षा के मद्देनजर अनुविभाग स्तर पर फायर सेफ्टी ऑडिट दल गठित किया गया एवं ऑडिट कार्य 01 मई से प्रारंभ किया गया है।

इसी क्रम में 7 मई को प्रातः जिला प्रशासन रतलाम शहर के संयुक्त दल द्वारा होटल समता सागर रतलाम का अग्नि सुरक्षा अंतर्गत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में होमगार्ड विभाग, फायर विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग एवं एमपीईबी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि होटल में कुल 63 कमरे हैं, जबकि फायर इक्विपमेंट के रूप में केवल 6 नग एबीसी फायर एक्सटिंग्विशर एवं 2 नग ष्ट्रह्व2 फायर एक्सटिंग्विशर उपलब्ध हैं। टीम द्वारा होटल प्रबंधन को तत्काल आवश्यक संख्या में अग्निशमन उपकरण बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

खरीफ फसलों की बोनी की तैयारी हेतु प्रदेश सहित जिले में खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खरीफ फसलों की बोनी की तैयारी हेतु प्रदेश में खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। वर्तमान स्थिति में प्रदेश स्तर पर लगभग 6.40 लाख मेट्रिक टन यूरिया 1.57 लाख मेट्रिक टन डीएपी, 3.56 लाख मेट्रिक टन एनपीके इस प्रकार 5.13 लाख मेट्रिक टन डीएपी एनपीके तथा 3.50 लाख मेट्रिक टन एसएसपी खाद उपलब्ध है। विषम वैश्विक परिस्थितियों के उपरांत भी भारत सरकार द्वारा प्रदेश में उर्वरको की आपूर्ति निर्बाध तथा तय कार्यक्रम अनुसार निरंतर की जा रही है। जिला स्तर पर भी खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उपलब्ध खाद सोसायटीवार, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रवार, निजी दुकानवार ई-विकास पोर्टल पर उपलब्?ध है

किसान भाइयो से अनुरोध है कि आप अपनी आवश्यकतानुसार खाद अपनी सोसायटी / मन पसंद दुकान से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से बुकिंग कर अपने खाद को उठा सकते है। ई-विकास प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी, वन पट्टाधारी, सिकमी किसान, शारीरिक रूप से अक्षम किसान, वृद्ध किसान, मृतक किसान के वारिसान को, धार्मिक संस्थान / ट्रस्ट, आदि की जमीन के लिए खाद उपलब्ध कराने हेतु सुविधा दी गयी है।

किसानो को खरीफ की फसलो की बोनी हेतु फसलो की अनुशंसित खाद की मात्रा अनुसार यूरिया, एसएसपी, एनपीके, डीएपी, पोटाश खाद की पूर्ण मात्रा को एक बार में ही उठा सकता है। यदि किसान चाहे तो पुनः पोर्टल पर प्रक्रिया का पालन कर अपनी मर्जी अनुसार खाद बुक कर अपनी सुविधानुसार उठा सकता है। किसानों को फार्मर आईडी बनाने या फार्मर आईडी से खसरे लिंक करने संबंधित समस्या के निराकरण के लिये राजस्व विभाग (तहसीलदार, पटवारी) से तथा ई-टोकन प्रणाली पोर्टल संबंधित समस्या के लिये कृषि विभाग (वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी / कृषि विस्तार अधिकारी) से संपर्क कर सकते है।

16 मई को खानपुरा शनि मंदिर परिसर में शनि जयंती मनेगी, महाप्रसादी प्रसादी की तैयारियां प्रारंभ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिवर्षानुसार इस वर्षअभी भगवान श्री शनि देव जी की जयंती के उपलक्ष्यक मे खानपुरा स्थित भगवान शनि देव मंदिर में विविध धार्मिक कार्यक्रम होंगे प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समाजसेवी कोमल बाफना परिवार के द्वारा दिनांक 16 मई, शनिवार को प्रातः 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक शनि मंदिर के समीप खुले मैदान में महाप्रसादी का आयोजन होगा, निरंतर 17 वे वर्ष भी बाफना परिवार के द्वारा यह आयोजन किया जाएगा जिसमें लगभग 25 हजार धर्मानुजन शामिल होंगे। महाप्रसादी की तैयारीया शुरू कर दी गई है कल गुरुवार को समाजसेवी श्री कोमल बाफना एवं उनके मित्र मंडल ने नगर पालिका की टीम के साथ महाप्रसादी स्थल का निरीक्षण किया और महाप्रसादी स्थल की साफ सफाई एवं पेयजल की उपलब्धता के संबंध में आवश्यक चर्चा की गई । समाजसेवी श्री बाफना एवं प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी हेमचंद शर्मा गेरेज सहायक जाकिर भाई के मध्य मैदान के समतलीकरण करने एवं मैदान में स्वच्छता के आवश्यक प्रबंध करने पर चर्चा हुई इस अवसर पर दीपक विजयवर्गीय अरविंद कागला पूर्व पार्षद सत्यनारायण अग्रवाल एवं नगर पालिका सफाई दरोगा भेरूलाल झांझोट भी उपस्थित थे समाजसेवी श्री बाफना ने कहा कि 16 मई को प्रातः 6 बजे से शनि देव प्रतिमा का तेलाभिषेक होगा, प्रातः 10 बजे महाप्रसादी का आयोजन प्रारंभ होगा जो की रात्रि 11 तक अनवरत रहेगा धर्मानुजन नियत समय एवं स्थान पर पधारकर महाप्रसादी का धर्म लाभ ले।

कांग्रेस किसानों को केवल कर्ज और भ्रम देती रही, जबकि भाजपा ने सम्मान, सहायता और सुरक्षा दी-यशपाल सिंह सिसौदिया

भाजपा संगठन के नवगठित मंदसौर संभाग के मीडिया प्रभारी के रूप में पहली पत्रकार वार्ता हुई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गेहूं खरीदी के नाम पर कांग्रेस द्वारा नेशनल हाईवे पर किए जा रहे चक्काजाम और प्रदर्शन दुर्भाग्यपूर्ण हैं। कांग्रेस किसानों को भड़काकर प्रदेश की कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास कर रही है, जबकि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों की उपज खरीदने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है। यह बात भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठनात्मक दृष्टि से मंदसौर, नीमच और रतलाम जिलों को मिलाकर बनाए गए मंदसौर संभाग के मीडिया प्रभारी बनाए जाने के बाद पूर्व विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसौदिया ने कही। वे गुरुवार को भाजपा कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। इस दौरान राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर भी उपस्थित थे। पत्रकार वार्ता में सिसौदिया ने कांग्रेस पर किसानों को भ्रमित करने और राजनीतिक लाभ के लिए आंदोलन करने का आरोप लगाया।

सिसौदिया ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों के हित में जो कार्य 20 वर्षों में किए हैं, वह कांग्रेस अपने 55 बरस के शासनकाल में भी नहीं कर पाई। इसी कारण कांग्रेस बौखलाहट में अनर्गल आंदोलन कर रही है। सिसौदिया ने कहा कि प्रदेश में वेयर हाउस और उपार्जन केंद्रों पर टोकन व्यवस्था के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से गेहूं खरीदी की जा रही है। किसान अपनी उपज का विक्रय कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस भ्रम फैलाने का काम कर रही है। सिसोदियाने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस पूरी तरह दिशाहीन हो गई है और पूरे देश में उसकी उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उल्टी गिनती की बात करती है, जबकि प्रदेश का किसान भाजपा सरकार के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट कहा है कि किसानों की उपज का एक-एक दाना खरीदा जाएगा। केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश को 78 लाख मेट्रिक टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य दिया था, जिसे मुख्यमंत्री के आग्रह पर बढ़ाकर 100 लाख मेट्रिक टन किया गया। मुख्यमंत्रीने आश्वस्त किया है कि आवश्यकता पड़ने पर इससे अधिक खरीदी की व्यवस्था भी की जाएगी। मंडियों की तुलना में उपार्जन केंद्रों पर अधिक गेहूं पहुंच रहा है। किसान सम्मान निधि, शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, सिंचाई विस्तार और बोनस जैसी योजनाओं से किसानों का विश्वास भाजपा पर बढ़ा है। सरकार की कृषि नीतियों के कारण मध्यप्रदेश को सात बार कृषि कर्मण पुरस्कार मिल चुका है। पत्रकार वार्ता में सिसोदिया ने कांग्रेस से पूछा कि उसने अपने शासनकाल में किसानों के हित में कौन से स्थायी और ऐतिहासिक निर्णय लिए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों को केवल कर्ज और भ्रम देती रही, जबकि भाजपा सरकार ने किसानों को सम्मान, सहायता और सुरक्षा प्रदान की है।

विद्युत मोटर में छिपाई गई एमडी ड्रग्स व अफीम जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ में प्रभावी कार्रवाई की है। मुखबीर सूचना के आधार पर घेराबंदी कर युवक की तलाशी ली गई, जिसके कब्जे से पानी की विद्युत मोटर मिली। इस मोटर की बॉडी में आरोपी ने 500 ग्राम एमडी ड्रग्स एवं 500 ग्राम अफीम छिपाकर रखी थी।

घटना अनुसार 6 एवं 7 मई की दरमियानी रात्रि में कोतवाली में मुखबीर सूचना प्राप्त हुई। बताया गया कि एक व्यक्ति स्कूटी को लेकर मंदसौर रेलवे स्टेशन के पास अवैध मादक पदार्थ अफीम व एमडी ड्रग्स की तस्करी करने आने वाला है। इसके द्वारा चालाकी से पानी की मोटर में अवैध मादक पदार्थ को छिपाया गया है, ताकि किसी को शक नहीं हो तथा तलाशी भी ली जाए तो मादक पदार्थ का पता नहीं चल सके। शहर कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ एवं टीम ने उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर कार्रवाई को आगे बढ़ाया। मौके पर जाकर बताए गए व्यक्ति को स्कूटी सहित अभिरक्षा में लेकर उसका नाम पता पूछा गया, जिसने अपना नाम इमरान पिता मीरगुल उर्फ बंटी पठान उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम दावतखेड़ी मंदसौर का बताया। तलाशी में नियमों का पालन करते हुए आरोपी के कब्जे से 500 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स एवं 500 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद की गई। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया में लिया गया है। प्रारंभिक तौर पर पूछताछ में आरोपी ने शहर मंदसौर के अनेक व्यक्तियों के उक्त अपराध में संलिप्त होने की जानकारी दी है। जब्त मादक पदार्थ में एमडी ड्रग्स की कीमत 50 लाख तो अफीम की कीमत एक लाख रुपए पुलिस द्वारा आंकी गई है। विद्युत मोटर की कीमत दो हजार रुपए आंकी गई है।

सम्पादकीय

ब्रह्मांड के सबसे बड़े देवता माता-पिता। बुजुर्गों की सेवा सबसे बड़ा तीर्थ

मां शब्द बड़ा ही मृदु, विशाल और व्यापक होता है पूरी सृष्टि इसमें समाहित होती है। मां ,धरती, जननी, धरा ,माते इतने पवित्र शब्द है कि संताने उनका ऋण कभी नहीं चुका सकती हैं और पिता वटवृक्ष से घना साया हैं मातृ -पितृ ऋण से कभी उबरा नहीं जा सकता है। पितृ पक्ष में माता-पिता के ऋण से ऊबरने के ब्रह्मांड के सबसे बड़े देवता माता-पिता।

बुजुर्गों की सेवा सबसे बड़ा तीर्थ।लिए ऐसे व्यक्ति भी जोर-जोर से श्राद्ध कर्म करके लोगों को भोजन से तृप्त करने का प्रयास करते हैं जिन्होंने अपने माता-पिता के जीवित रहते हुए कभी उनके प्रति श्रद्धा के भाव नहीं दिखाएं एवं उनकी यथोचित श्रद्धा पूर्वक सेवा तथा देखभाल नहीं की थी।जिस संतान ने अपने माता-पिता के जीवित रहते हुए उनकी सच्ची सेवा एवं सर्वांगीण सम्मान किया हो केवल वे ही मातृ-पितृ ऋण से उबरने के लाभ के हकदार होते हैं। जीवित अवस्था में अभाव में भोजन पानी को तरसते हुए माता-पिता की मृत्यु के पश्चात अपनी आत्म संतुष्टि और सामाजिक रूप से दिखावे के लिए संतानों द्वारा किया गया श्राद्ध कर्म मिथ्या अथवा आडंबर ही हो सकता है सच्ची सेवा नहीं।

यूरोप और पश्चिम देश इतने अभागे हैं कि वे अपने माता और पिता को वृद्धा आश्रम में छोड़ आते हैं या उन्हें छोड़कर स्वयं संताने दूर चली जाती हैं। स्विजरलैंड जैसे खूबसूरत देश में बुजुर्ग दंपत्ति इच्छा मृत्यु लेकर अपना अंतिम समय व्यतीत करते हैं। भारत इस मामले में काफी हद तक सांस्कृतिक संस्कारी रूप से समृद्ध है मां-बाप संतानों के पास रहते हैं और शांतिपूर्वक जीवन यापन करते हैं। कुछ प्रतिशत छोड़ दिया जाए महानगरों में संताने मां और पिता को वृद्ध आश्रम में रखने का उपक्रम करने लगे हैं। पाश्चात्य सभ्यता की यह अंधी नकल बुजुर्ग दंपतियों के लिए बड़ी ही मार्मिक और हृदय विदारक होती है। वृद्ध दंपतियों का अनुभव परिवार के विकास समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह विडंबना है कि जब व्यक्ति अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्धशाली हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगन शीलता और परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं। यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि ईस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है।

वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से घिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे-धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे-धीरे कमी होने लगती है, जिससे मानसिक विकृति अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। इसके साथ ही परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति अनुपयोगी, बोझ, समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्ग व्यक्ति के मन में एक प्रकार की वितृष्णा आने लगती है। और कई बुजुर्ग इस अवहेलना को बर्दाश्त न कर के आत्महत्या तक कर बैठते हैं। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विशिष्ट था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड़ वाली इस जिंदगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरु कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है। आत्मविश्वास जनित प्रेरणा की कमी वृद्धावस्था को बोझिल बना देती है। व्यक्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है, दूसरों पर निर्भरता बढ़ने लगती है। नई पीढ़ी द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। यही परिस्थिति वृद्धा अवस्था के लिए एक अभिशाप की तरह होती है।

वृद्धावस्था में मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक कष्ट के प्रमुख कारणों में से संयुक्त परिवार का विघटन भी है। युवा पीढ़ी द्वारा अपने मां-बाप से अलग होकर रहने की चाहत हमारे देश में एक गंभीर समस्या पैदा करती है। वृद्ध व्यक्ति या दंपत्ति को जिस आयु में पुत्र, पुत्रियों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, ऐसे समय में पुत्र द्वारा उनकी देखभाल छोड़कर अलग रहने के लिए अलग मकान बनाना या किराए पर रहना, उस दंपत्ति या व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती है।

सहजयोग में प्राण प्रतिष्ठा का गहरा अर्थ : हमारे भीतर की यात्रा

प्राण प्रतिष्ठा का सामान्य अर्थ किसी मूर्ति या मंदिर में दिव्य शक्ति का आह्वान माना जाता है, लेकिन सहजयोग में इसका अर्थ इससे कहीं अधिक गहरा है। यहाँ प्राण प्रतिष्ठा का मतलब है - हमारे भीतर स्थित दिव्य चेतना का जागरण।

सहजयोग के अनुसार प्रत्येक मनुष्य के भीतर कुण्डलिनी शक्ति सुप्त अवस्था में विद्यमान रहती है। जब यह शक्ति जागृत होकर सहस्त्रार तक पहुँचती है, तब व्यक्ति आत्मसाक्षात्कार का अनुभव करता है। यही वास्तविक प्राण प्रतिष्ठा है - बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक स्थापना।

सहजयोग हमें सिखाता है कि मनुष्य का शरीर स्वयं एक मंदिर है। जब हमारे भीतर शांति, संतुलन, करुणा और प्रेम जागृत होते हैं, तब जीवन सच में प्रकाशित होने लगता है। केवल बाहरी पूजा या कर्मकांड पर्याप्त नहीं, भीतर की चेतना का जागना भी आवश्यक है।

ध्यान और आत्मचिंतन के माध्यम से व्यक्ति धीरे-धीरे तनाव, भय और नकारात्मकता से मुक्त होने लगता है। उसके भीतर मौन और आनंद का अनुभव जन्म लेता है। यही भीतर की यात्रा मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप के करीब ले जाती है।

इस प्रकार सहजयोग में प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है – अपने भीतर परम चेतना को अनुभव करना और जीवन को आध्यात्मिक जागरूकता से भर देना। सहजयोग में प्राण प्रतिष्ठा किसी बाहरी कर्मकांड का अंत नहीं, बल्कि भीतर की यात्रा की शुरुआत है। यह वह क्षण है जब मनुष्य स्वयं को केवल शरीर और मन तक सीमित नहीं मानता, बल्कि अपने भीतर स्थित दिव्य चेतना को पहचानता है। जब भीतर का दीपक जलता है, तभी जीवन में वास्तविक प्रकाश आता है और शायद यही प्राण प्रतिष्ठा का सबसे गहरा अर्थ है - अपने भीतर परम चेतना को जागृत कर जीवन को सचमुच जीवंत बना देना।

क्यों टैगोर जयंती बनी 'नए बंगाल' की सांस्कृतिक पुनर्जागरण की तारीख?

पश्चिम बंगाल की राजनीति में घटित होते क्षण अब केवल घटनाओं का क्रम नहीं, बल्कि एक सुनियोजित प्रतीकात्मक ढांचे का हिस्सा बन चुके हैं, जहाँ समय और सांस्कृतिक संदर्भ राजनीतिक संदेश बनते जा रहे हैं। रवींद्रनाथ टैगोर 165वीं जयंती के साथ संभावित शपथ ग्रहण की चर्चा ने इस परिदृश्य को गहराई दी है। 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के भारी बहुमत के साथ टीएमसी की 15 वर्षीय सरकार का अंत होने के बाद यह चर्चा और भी प्रासंगिक हो गई है। यह केवल सत्ता परिवर्तन की तैयारी नहीं, बल्कि ऐसी रणनीति है जिसमें हर सार्वजनिक क्षण और आयोजन सोच-समझकर चुना गया है, ताकि राजनीति और संस्कृति का संगम स्थापित हो सके। इसी ने 'नए बंगाल' की अवधारणा को नारे से आगे बढ़ाकर एक प्रतीकात्मक अभियान का रूप दे दिया है।

इस रणनीति की असली धार यही है कि समय अब केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि सक्रिय राजनीतिक साधन बन चुका है। शपथ ग्रहण जैसे संवैधानिक क्षण को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती से जोड़ने का संकेत यह स्पष्ट करता है कि यहाँ सत्ता के साथ-साथ प्रतीकों और अर्थों की पूरी संरचना नए सिरे से रची जा रही है। हर तिथि एक संदेश बन गई है और हर आयोजन एक सुविचारित विमर्श का रूप ले चुका है। यह दृष्टिकोण राजनीति को प्रशासनिक प्रक्रिया से आगे ले जाकर उसे सांस्कृतिक स्मृति और जनभावनाओं के गहरे तंतुओं से जोड़ देता है, जिससे उसका प्रभाव और अधिक सघन व बहुआयामी हो जाता है।

नरेंद्र मोदी और अमित शाह को रणनीतिक शिल्पकार व संगठनात्मक वास्तुकार के रूप में देखा जाता है। मोदी जी राजनीति को केवल शासन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मविश्वास के विस्तार के रूप में परिभाषित करते हैं, जबकि अमित शाह ने इस दृष्टि को बूथ स्तर तक सूक्ष्म संगठन में उतारा है। दोनों की संयुक्त रणनीति सुनिश्चित करती है कि कोई भी क्षण, तिथि या घटना अर्थहीन न रहे। प्रत्येक कदम ऐसा गढ़ा गया है कि वह तात्कालिक प्रभाव के साथ दीर्घकालिक राजनीतिक और सांस्कृतिक संदेश भी स्थापित करे।

बूथ स्तर पर निर्मित रणनीति इस पूरी संरचना की सबसे सुदृढ़ नींव के रूप में उभरी है, जहाँ प्रत्येक मतदान केंद्र को केवल चुनावी इकाई नहीं, बल्कि जनसंपर्क और विचार-विस्तार के केंद्र में बदला गया। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक समान संगठनात्मक अनुशासन दिखाई दिया, जिसमें स्थानीय समस्याओं को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से जोड़ा गया। बेरोजगारी, विकास में असमानता, सुरक्षा की चुनौतियाँ और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को सुनियोजित ढंग से उठाया गया। यह केवल प्रचार नहीं था, बल्कि एक निरंतर संवाद था, जिसने जनता और संगठन के बीच नई समझ को आकार दिया।

इस रणनीति की एक और प्रमुख विशेषता यह है कि प्रत्येक राजनीतिक घटना को व्यापक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में स्थापित किया गया है। रवींद्रनाथ टैगोर की 'सोनार बांग्ला' की कल्पना को 'नए बंगाल' की आधुनिक दृष्टि से जोड़ने का प्रयास केवल भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि वैचारिक पुनर्संरचना का संकेत है। यहाँ संस्कृति प्रतीक भर नहीं रही, बल्कि नीति और शासन का अभिन्न हिस्सा बन गई है। इसी कारण हर सार्वजनिक घोषणा, रैली और राजनीतिक संदेश को एक बड़े सांस्कृतिक आख्यान के भीतर समाहित किया जा रहा है, जिससे उसका प्रभाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर तक विस्तृत हो जाता है।

चुनावी चरणों के दौरान यह रणनीति और अधिक स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आई, जहाँ मतदान की प्रत्येक प्रक्रिया को अत्यंत सूक्ष्म योजना के साथ संचालित किया गया। मतदान केंद्रों पर प्रबंधन, मतदाता संपर्क और संदेश प्रसार की व्यवस्था ने एक संगठित ढांचे को आकार दिया। हर चरण को इस तरह जोड़ा गया कि वह पिछले चरण से मिलकर एक सतत राजनीतिक कथा निर्मित करे। यह कथा केवल जीत-हार तक सीमित नहीं थी, बल्कि परिवर्तन, विकास और सांस्कृतिक पुनर्स्थापना की अवधारणा पर आधारित थी। इसने चुनाव को साधारण प्रक्रिया से आगे बढ़ाकर एक व्यापक सामाजिक घटना का रूप दे दिया।

इस पूरे घटनाक्रम में समय का चयन एक निर्णायक रणनीतिक तत्व के रूप में सामने आया है। 9 मई की संभावित शपथ तिथि केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि एक गहरे प्रतीकात्मक संदेश का हिस्सा प्रतीत होती है। रवींद्रनाथ टैगोर जैसी सांस्कृतिक विभूति की जयंती के साथ ऐसे आयोजन की योजना यह संकेत देती है कि राजनीति अब केवल वर्तमान तक सीमित नहीं, बल्कि स्मृति और प्रतीकात्मकता पर भी आधारित होती जा रही है। प्रत्येक क्षण को इस प्रकार चुना जा रहा है कि वह इतिहास, संस्कृति और राजनीति को एक साझा धागे में पिरो सके।

'नए बंगाल' अब महज राजनीतिक परियोजना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक पुनर्गठन की प्रक्रिया बनता जा रहा है। टैगोर की 'सोनार बांग्ला' की कल्पना को आधुनिक दृष्टि से जोड़ते हुए शिक्षा, रोजगार, सांस्कृतिक गौरव और मानवीय मूल्यों को विकास के केंद्र में रखने का प्रयास किया जा रहा है। यह सोच केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि पहचान और आत्मसम्मान को पुनः स्थापित करने पर भी केंद्रित है। इसी व्यापक ढांचे के तहत नीतियाँ और घोषणाएँ तय की जा रही हैं, जिससे परिवर्तन की एक स्पष्ट और समग्र दिशा सामने आती है। राजनीतिक घटनाओं के बदलते स्वरूप पर नजर डालें तो पश्चिम बंगाल का यह परिदृश्य केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं रह जाता, बल्कि समय, प्रतीक और संस्कृति के सूक्ष्म समन्वय पर आधारित एक जटिल रणनीति के रूप में सामने आता है। प्रत्येक क्षण का चयन, प्रत्येक तिथि का निर्धारण और प्रत्येक सांस्कृतिक संदर्भ का उपयोग एक व्यापक राजनीतिक एवं वैचारिक संदेश का हिस्सा बन चुका है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की यह संयुक्त रणनीति राजनीति को उस स्तर तक ले जाती है, जहाँ शासन केवल निर्णय नहीं, बल्कि अर्थ और प्रतीक के सृजन की प्रक्रिया भी बन जाता है। 'नए बंगाल' की यह यात्रा प्रारंभिक अवस्था में होते हुए भी यह संकेत देती है कि भविष्य की राजनीति घटनाओं से नहीं, बल्कि उनके चयनित समय और गहरे सांस्कृतिक अर्थों से आकार लेगी।

-प्रो. आरके जैन

हल्दीघाटी का अमर योद्धा -क्षत्रिय शिरोमणि महाराणा प्रताप

भारत के स्वर्णिम इतिहास में यदि अदम्य साहस, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का कोई सर्वोच्च प्रतीक खोजा जाए, तो वह नाम है महाराणा प्रताप। यह नाम मात्र उच्चारण से ही मन में वीरता, त्याग और राष्ट्रभक्ति का ज्वार उत्पन्न कर देता है।

महाराणा प्रताप केवल एक राजा नहीं थे, बल्कि वे स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और अडिग संकल्प के जीवंत प्रतीक थे। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ इच्छाशक्ति से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है।

महाराणा प्रताप का जन्म मेवाड़ की वीरभूमि (वर्तमान राजस्थान) में हुआ। उनके पिता उदय सिंह द्वितीय थे। उस समय मेवाड़ निरंतर संघर्षों से गुजर रहा था और चित्तौड़गढ़ पर मुगलों का अधिकार हो चुका था।

ऐसे कठिन समय में महाराणा प्रताप को मेवाड़ की गद्दी मिली। उनके सामने न केवल बाहरी आक्रमण का खतरा था, बल्कि आंतरिक चुनौतियाँ भी थीं। उनके राज्याभिषेक के समय उत्तराधिकार को लेकर विवाद भी उत्पन्न हुआ, किंतु मेवाड़ के सरदारों ने एकमत होकर उन्हें ही योग्य शासक मानते हुए गद्दी सौंपी।

उस समय दिल्ली की गद्दी पर अकबर का शासन था, जो अपने साम्राज्य का विस्तार कर रहा था। उसने अनेक राजाओं को मित्रता और संधि के माध्यम से अपने अधीन कर लिया था। अकबर ने कई बार महाराणा प्रताप को भी संधि का प्रस्ताव भेजा, परंतु प्रताप ने हर बार उसे ठुकरा दिया। उनके लिए स्वाभिमान सर्वोपरि था। वे जानते थे कि संधि का अर्थ पराधीनता स्वीकार करना है, जो उन्हें किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं था।

18 जून 1576 को हल्दी घाटी के युद्ध का वह ऐतिहासिक दिन आया, जब महाराणा प्रताप और अकबर की सेना आमने-सामने हुई। मुगल सेना का नेतृत्व मान सिंह कर रहे थे। मुगल सेना संख्या और संसाधनों में कहीं अधिक शक्तिशाली थी, जबकि महाराणा प्रताप के पास सीमित सेना थी, जिसमें राजपूतों के साथ भील योद्धाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान था। युद्ध अत्यंत भीषण और रक्तरंजित था। महाराणा प्रताप ने अद्वितीय पराक्रम दिखाते हुए शत्रु सेना को कड़ी चुनौती दी। यद्यपि यह युद्ध निर्णायक विजय में परिवर्तित नहीं हुआ, किंतु प्रताप की वीरता और संघर्षशीलता ने उन्हें अमर बना दिया। महाराणा प्रताप के प्रिय अश्व चेतक का नाम इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। युद्ध के दौरान घायल होने के बावजूद चेतक ने अपने स्वामी को सुरक्षित स्थान तक पहुँचाया और अंततः वीरगति को प्राप्त हुआ। चेतक की स्वामीभक्ति और बलिदान भारतीय इतिहास में अद्वितीय उदाहरण माने जाते हैं। वनवास, संघर्ष और पुनः विजय हल्दीघाटी के बाद भी महाराणा प्रताप ने संघर्ष नहीं छोड़ा। उन्होंने वर्षों तक जंगलों और पहाड़ों में रहकर गुरिल्ला युद्ध पद्धति अपनाई। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने राज्य और स्वाभिमान की रक्षा की। अंततः अपने जीवनकाल में उन्होंने मेवाड़ के अधिकांश भाग को पुनः स्वतंत्र करा लिया।

– सुरेश सिंह बैस

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के ÷सांस्कृतिक पुनर्जागरण÷ के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में ÷बंगाली अस्मिता÷ और ÷हिंदू पहचान÷ के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। ÷वंदे मातरम्÷ का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आई, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि ÷सांस्कृतिक सुरक्षा÷ स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान ÷जय श्रीराम÷ जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल ÷हिंदी बनाम बंगाली÷ के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनर्स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को ÷हिंदू पुनर्जागरण÷ कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से ÷अपवाद÷ नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं- सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं। यदि भाजपा वास्तव में बंगाल में एक नए युग की शुरुआत करना चाहती है, तो उसे केवल वैचारिक नारों तक सीमित नहीं रहना होगा। उसे रोजगार, उद्योग, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य करना होगा। बंगाल की धरती ने हमेशा भारत को विचार, साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रवाद की नई दिशा दी है। आज फिर इतिहास एक नए मोड़ पर खड़ा है। आने वाला समय तय करेगा कि यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लहर साबित होगा या वास्तव में बंगाल के सांस्कृतिक और वैचारिक पुनर्जागरण का आधार बनेगा।

-ललित गर्ग

आत्ममंथन के बजाय आरोपों का सहारा

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बीच विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए का पूरा विमर्श पश्चिम बंगाल के इर्द-गिर्द सिमटता दिख रहा है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी और राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर नतीजों को प्रभावित किया। ममता ने यहां तक कहा कि वे हार को %साजिश% का परिणाम मानती हैं। उल्लेखनीय है कि 2014 के बाद से हुए कई चुनावों में विपक्षी दलों ने अपनी हार के कारणों का ठोस आत्ममंथन करने के बजाय आरोपों की राह अधिक चुनी है।

2014 में भाजपा की बड़ी जीत के बाद ईवीएम में गड़बड़ी का मुद्दा जोर-शोर से उठा, जो हर चुनावी हार के बाद समय-समय पर सामने आता रहा है। हालांकि 2017 में चुनाव आयोग द्वारा आयोजित 'ईवीएम चैलेंज' में कोई भी दल मशीनों में छेड़छाड़ का दावा साबित नहीं कर पाया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर वीवीपैट प्रणाली को और व्यापक रूप से लागू किया गया, लेकिन ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगते ही रहते हैं।

बंगाल में बात ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों से भी आगे निकल गई है। अब विपक्षी दलों का आरोप है कि निर्वाचन आयोग ने पहले गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी एसआइआर के तहत लाखों मतदाताओं के वोट काटे और फिर चुनाव आयोग और केंद्रीय बलों ने भाजपा के इशारे पर काम करते हुए चुनावी गड़बड़ी की। यदि चुनाव प्रक्रिया इतनी व्यापक रूप से प्रभावित की जा सकती थी, तो अन्य राज्यों तमिलनाडु या केरलम में अलग-अलग नतीजे कैसे आए? केरलम में तो कांग्रेस को प्रचंड जीत मिली है।

विपक्ष इस तथ्य को नकार देता है कि बंगाल में भाजपा की उपस्थिति कोई नई नहीं है। पहले जनसंघ और बाद में भाजपा वहां पैर जमाने की कोशिश सदैव करती रही। 2016 के विधानसभा चुनाव में उसे 10 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले थे, जो 2021 में बढ़कर 37.97 प्रतिशत हुए और अब 45.85 प्रतिशत। तृणमूल कांग्रेस के वोट 2021 के 48.02 प्रतिशत से घटकर 2024 में 40.80 प्रतिशत पर आ गए। 15 साल की एंटी इनकंबेंसी, भ्रष्टाचार के आरोप, मुस्लिम तुष्टीकरण के विरुद्ध हिंदू ध्रुवीकरण, महिलाओं की सुरक्षा और कांग्रेस, वाम दलों का तृणमूल के खिलाफ होना ममता की हार की वजहों में रहे।

चुनावी धांधली का आरोप नया नहीं है। तमाम प्रयासों के बावजूद चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह दोषमुक्त कभी नहीं रही। दिलचस्प है कि 1952 में जब पहला चुनाव हुआ था, तब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन को 9 फरवरी 1952 को एक पत्र लिखा था, %मुझे समय-समय पर चुनावों के संचालन के तरीके के बारे में विभिन्न शिकायतें प्राप्त होती रही हैं।...आज सुबह मुझे उत्तर प्रदेश के बारे में शिकायत मिली कि कई स्थानों पर मतदान पेटियों को बदल दिया गया या उनके साथ छेड़छाड़ की गई।% बाद के वर्षों में बिहार, तमिलनाडु, जैसे कई राज्यों में भी चुनावी गड़बड़ियां होती रहीं।

1995 में बिहार विधानसभा चुनाव के वक्त बूथ लूट और हिंसा रोकने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त ने पहली बार कई चरणों में चुनाव कराए। राज्य में बड़े पैमाने पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती भी की गई। उस वक्त लालू यादव खुलकर टीएन शेषन के खिलाफ बोलते थे। बंगाल में चुनावी हिंसा की अति हो गई थी। 2014 के लोकसभा चुनाव के वक्त बंगाल में चुनावी हिंसा में सात मौतें और करीब 2,652 लोग घायल हुए। 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान तो 300 से ज्यादा हिंसक घटनाओं में 58 मौतें हुईं। इन हालात में केंद्रीय बलों की मौजूदगी ने अगर मतदाताओं को भयमुक्त होकर वोट डालने के लिए प्रेरित किया तो इसे गलत कैसे कहा जा सकता है? क्या ये भी एक वजह नहीं है कि बंगाल में मतदान के पहले चरण में 93.19 और दूसरे चरण में 91.66 प्रतिशत वोट पड़े? इसमें कोई शक नहीं कि एसआइआर का क्रियान्यवन और बेहतर होना चाहिए था, पर विपक्षी दलों की एसआइआर पर ठीकरा फोड़ने की कोशिश सिर्फ एक नैरेटिव बनाने का ही दांव है, जिसका उन्हें लाभ कम और लोकतांत्रिक ढांचे को नुकसान अधिक है। बिहार में भी यही कोशिश हुई थी, जहां एसआइआर के बाद 65 लाख लोगों के नाम कटे थे, पर नाम जोड़ने के लिए औपचारिक आवेदन सैकड़ों में भी नहीं हुए। संभव है कि बंगाल में एसआइआर के चलते कुछ लोग मतदान से वंचित हुए होंगे, पर विपक्ष वास्तव में एसआइआर के मुद्दे पर चिंतित था, तो उसे बयानबाजी से आगे बढ़ना चाहिए था।

-धनंजय राजौरा

मां के मातृत्व भाव से ही संतान का कल्याण

गुरूणां चैव सर्वेषां माता परमं गुरुः÷भारतीय दर्शन की यह उक्ति माँ के सर्वोच्च स्थान को स्पष्ट करती है। सृष्टि के सृजन में जहाँ ब्रह्मा को रचयिता माना गया है, वहीं जीवन को जन्म देने, संवारने और संस्कारित करने का अद्वितीय दायित्व माँ को प्राप्त हुआ है। माँ केवल जन्मदात्री नहीं होती, वह अपने संपूर्ण अस्तित्व को मातृत्व में विलीन कर देती है। उसका जीवन, उसकी इच्छाएँ, उसके सपने- सब कुछ संतान के इर्द-गिर्द सिमट जाता है। अपने सुख, आराम और आकांक्षाओं का त्याग कर संतान के भविष्य को संवारना ही मातृत्व का वास्तविक स्वरूप है।

कहा जाता है कि संसार के मोह-माया से विरक्त होकर मनुष्य अपने कर्तव्यों से विमुख हो सकता है, लेकिन एक माँ कभी नहीं। इतिहास और परंपराएँ इस सत्य की साक्षी हैं। गौतम बुद्ध ने जहाँ वैराग्य के मार्ग को अपनाया, वहीं यशोधरा ने मातृत्व के दायित्व को निभाते हुए अपने पुत्र का लालन-पालन किया। यह उदाहरण दर्शाता है कि मातृत्व त्याग का नहीं, बल्कि समर्पण का दूसरा नाम है।

माँ के भीतर अपार धैर्य, करुणा और त्याग की भावना निहित होती है। वह संतान के लिए हर कष्ट सहने को तत्पर रहती है–गर्भधारण से लेकर उसके पालन-पोषण और चरित्र निर्माण तक, माँ का योगदान अतुलनीय होता है। वह केवल शरीर ही नहीं, बल्कि विचार और संस्कार भी गढ़ती है। इतिहास साक्षी है कि महान व्यक्तित्वों के निर्माण में उनकी माताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। चाहे वे महाराणा प्रताप हों, शिवाजी हों या नेपोलियन बोनापार्ट इन सभी के जीवन में उनकी माताओं के संस्कारों की गहरी छाप दिखाई देती है।

नेपोलियन बोनापार्ट का प्रसिद्ध कथन है- तुम मुझे योग्य माताएँ दो, मैं तुम्हें सुदृढ़ राष्ट दूँगा।

यह कथन इस सत्य को रेखांकित करता है कि राष्ट निर्माण की आधारशिला माँ ही रखती है। वह अपने बच्चों को केवल शिक्षित ही नहीं करती, बल्कि उनमें नैतिकता, साहस और देशप्रेम के संस्कार भी रोपित करती है। माँ का हृदय करुणा का सागर होता है। वह परिवार के हर सदस्य के दुख-दर्द को अपने भीतर समेट लेती है। पति के कष्ट में भी उसके भीतर की माँ जागृत हो उठती है और वह हर परिस्थिति में परिवार के कल्याण के लिए समर्पित रहती है।

वास्तव में, माँ केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक भावना है–एक ऐसी शक्ति, जो सृष्टि को निरंतर आगे बढ़ाती है। जिस समाज और राष्ट की माताएँ शिक्षित, संस्कारित और जागरूक होती हैं, वह समाज सदैव उन्नति के पथ पर अग्रसर रहता है। मदर्स डे केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि माँ के त्याग, प्रेम और संस्कार ही हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूँजी हैं। माँ के चरणों में ही स्वर्ग का वास है। और सच तो यह है कि माँ ही जीवन की पहली गुरु, पहली मित्र और पहली प्रेरणा होती है।

-सुनील कुमार महला

क्या विपक्ष की आवाज कुचलने उतरा प्रशासन? कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह गौड़ पर जिला बदर की तैयारी से देवास में सियासी विस्फोट

राजपूत समाज का सीधा कहना 'शराब माफिया, सत्ता और प्रशासन की मिलीभगत से रचा जा रहा षड्यंत्र', कार्रवाई हुई तो होगा आर-पार का आंदोलन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह गौड़ के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा प्रस्तावित जिला बदर की कार्रवाई ने जिले की सियासत में भूचाल ला दिया है। गुरुवार को राजपूत समाज एवं राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना ने सैकड़ों समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर प्रशासन के खिलाफ खुला मोर्चा खोल दिया। कलेक्टर के नाम तहसीलदार सपना शर्मा को एक ज्ञापन दिया गया राजपूत समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि देवास जिले में प्रशासन सत्ता के दबाव में काम करने, शराब माफियाओं से सांठगांठ करने और विपक्ष की बुलंद आवाज को कुचलने की साजिश जैसे बेहद गंभीर आरोप लगाए गए।

समाज जनों ने साफ शब्दों में कहा गया कि कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह गौड़ पिछले कई वर्षों से क्षेत्र में भ्रष्टाचार, अवैध कारोबार, शराब माफियाओं की मनमानी, जनसमस्याओं और प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ लगातार सड़क से लेकर जनआंदोलनों तक संघर्ष करते रहे हैं। यही कारण है कि जनहित की आवाज बन चुके जितेंद्र सिंह गौड़ को अब सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है ।

समाज के प्रतिनिधियों ने सवाल उठाया कि जब वर्ष 2023 के बाद जितेंद्र सिंह गौड़ के खिलाफ कोई गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं है और पूर्व के प्रकरण में भी सभी में बरी हुए हैं तो आखिर किसके इशारे पर जिला बदर जैसी कठोर कार्रवाई की पटकथा लिखी जा रही है ? यह कानून का इस्तेमाल नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध का खुला खेल है ।

राजपूत समाज ने आरोप लगाया कि शराब कारोबारियों, सत्ता से जुड़े रसूखदारों और प्रशासन के कुछ जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह गौड़ को सार्वजनिक जीवन से हटाने की साजिश रची जा रही है, ताकि जनता के मुद्दे उठाने वाली मजबूत विपक्षी आवाज को हमेशा के लिए खामोश किया जा सके।

ज्ञापन देने के बाद समाज जनों ने प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी कि यदि बिना निष्पक्ष जांच के कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह गौड़ पर जिला बदर की कार्रवाई की गई, तो देवास से शुरू होकर मालवा भर में ऐसा जन आंदोलन खड़ा होगा जिसकी गूंज भोपाल तक सुनाई देगी। सड़क जाम, धरना, प्रदर्शन और उग्र आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ठाकुर सुरेन्द्र सिंह गौड़, ठाकुर तंवर सिंह चौहान, वरिष्ठ पत्रकार अनिल राज सिंह सिकरवार, किसान नेता राजेंद्र सिंह बैस, शैलेंद्र सिंह गौड़, मुकुल सिंह बैस, तूफान सिंह राजेन्द्र सिंह मोड रिया शैलेंद्र सिंह झाला ठाकुर अनिल सिंह बेस ठाकुर राजेंद्र सिंह कलमन खेड़ी वीरेंद्र सिंह पतलावदा राजा ठाकुर शिप्रा सहित सैकड़ों समाजजन, पदाधिकारी और समर्थक मौजूद रहे।

अंत में राजपूत समाज ने हुंकार भरते हुए कहा-- जितेंद्र सिंह गौड़ अकेले नहीं हैंज पूरा समाज उनके साथ खड़ा है। यदि जनहित की आवाज दबाने की कोशिश हुई, तो देवास की धरती आंदोलन की आग से तपेगी।

मप्र पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ठाकुर का किया स्वागत

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन में मंत्री दर्जा प्राप्त नवनियुक्त मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ठाकुर का टोंककलां में राजेंद्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर ठाकुर का पुष्पहार, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने जोरदार आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की। कार्यक्रम में गजराज सिंह राजपूत, राजेंद्र सिंह राजपूत, राजा, जीवनसिंह राजपूत कलमा, बंटी सिंह राजपूत, कुलदीप सिंह राजपूत, जितेंद्र वर्मा, संजय सिंह गुर्जर, सुनील गुर्जर, धीरेन्द्र सिंह चौहान, लक्ष्मण सिंह बैंस, महेंद्र सिंह बटवाल, अभिजीत सिंह बटवाल, आजाद सिंह बटवाल, पंकज लोधी सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मूकबधिर जोड़ा बंधा विवाह बंधन में

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोरटाकेवड़ी स्थित हिमालेश्वर धाम में एक मूक-बधिर जोड़े, शेरसिंह और मुस्कान ने बिना किसी शोर-शराबे के इशारों-इशारों में एक-दूसरे को अपना जीवनसाथी चुन लिया।

शेरसिंह और मुस्कान दोनों ही बोल और सुन नहीं सकते। जब हिमालेश्वर धाम में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ उनकी शादी की रस्में शुरू हुईं, तो पंडित अशोक दीक्षित के मंत्रोच्चार के बीच इस जोड़े ने अग्नि के सात फेरे लिए। दूल्हा-दुल्हन ने बिना कोई शब्द कहे, केवल अपनी आंखों और हाथों के संकेतों से जन्म-जन्मांतर तक साथ निभाने का वादा किया। दूल्हे के पिता ईश्वर प्रसाद और दुल्हन के पिता दिनेश कुमार ने बताया कि दोनों ने अपनी मर्जी से साथ रहने का फैसला किया था। बच्चों की खुशी और उनके आपसी तालमेल को देखते हुए परिवार ने खुशी-खुशी इस रिश्ते को मंजूरी दी। विवाह के दौरान शेरसिंह का आत्मविश्वास और मुस्कान की खुशी देख वहां मौजूद हर शख्स भावुक हो गया।

बिना शब्दों का अटूट बंधन- इस खामोश शादी ने यह संदेश दिया है कि जीवन को खूबसूरत बनाने के लिए आवाज से ज्यादा एक सही हमसफर के साथ की जरूरत होती है। रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने नवविवाहित जोड़े पर फूलों की बारिश कर उन्हें आशीर्वाद दिया। मोरटाकेवड़ी से शुरू हुई यह प्रेरणादायक प्रेम कहानी अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

आलोट में आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

रतलाम/दैनिक मालवा हेराल्ड। युवाओं के सर्वांगीण विकास और खेल प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आरोह 2026 के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 5 मई से 5 जून तक आलोट के विभिन्न केंद्रों पर संचालित होगा।

शिविर का आयोजन मुख्य रूप से सांदीपनि विद्यालय आलोट, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कराड़िया एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय लूनी में किया जा रहा है। यहाँ एथलेटिक्स, थ्रो बॉल और खो-खो जैसे खेलों का विशेष प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिया जा रहा है। शिविर में ब्लॉक समन्वयक दुर्गाशंकर मोयल के साथ अतुल वर्मा, बद्रीलाल बसेर, गोकुलसिंह चौहान और माधव शर्मा जैसे प्रशिक्षक खिलाड़ियों को खेल की बारीकियों से अवगत करा रहे हैं। जिला खेल अधिकारी श्रीमती रूचि शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव और खेल मंत्री श्री विश्वास सारंग के मार्गदर्शन में आयोजित इस एक माह के शिविर का उद्देश्य युवाओं का बहुमुखी विकास करना है। शिविर में खेल के साथ-साथ फिट इंडिया मूवमेंटरूफिटनेस, योग और प्राणायाम के जरिए स्वस्थ जीवनशैली का संदेश, व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता (लीडरशीप) और संचार कौशल को बढ़ाना। सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ, साइबर सुरक्षा, नशा मुक्ति पर जागरूकता और कला-मनोरंजन के माध्यम से युवाओं का रचनात्मक विकास किया जा रहा है।

किसानों के समर्थन में कांग्रेस ने किया हाईवे जाम

बड़ी संख्या में शामिल हुए कांग्रेसी, सात जिलों से आए कांग्रेसियों ने बुलंद की आवाज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों के समर्थन में कांग्रेस पार्टी द्वारा गुरूवार को वृहद आंदोलन किया और हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। कांग्रेस का आरोप था कि भाजपा सरकार अपने वादों से मुकर रही है। कांग्रेस ने भाजपा पर वादा खिलाफी का आरोप भी लगाया। इस दौरान रोजवास टोल टैक्स पर सात जिलों से आए कांग्रेसियों ने प्रदेशाध्यक्ष के नेतृत्व में जमकर नारेबाजी की और भाजपा सरकार को उनके वादे याद दिलाए।

शाजापुर जिले में किसानों की मांगों को लेकर राजनीति गरमा गई है। प्रदेश व्यापी आह्वान पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और किसान संगठनों ने आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रदर्शन करते हुए चक्काजाम कर दिया। इस आंदोलन के कारण हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया था। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार किसानों के साथ वादाखिलाफी कर रही है। कांग्रेस की मांग है कि सरकार अपने चुनावी वादे के अनुसार गेहूं को 3 हजार रू. प्रति क्विंटल की दर से खरीदे केंद्रों पर बारदाने की कमी और तुलाई में हो रही देरी को लेकर किसानों में भारी आक्रोश है। किसानों को फसल बेचने के हफ्तों बाद भी भुगतान नहीं मिला है, जिसे तुरंत जारी करने की मांग की जा रही है। इधर भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने हाईवे पर भारी पुलिस बल तैनात किया। चक्काजाम की वजह से यात्री बसें और फल-सब्जियों से भरे ट्रक फंसे रहे। इधर चिलचिलाती धूप में यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हम किसानों के लिए जेल जाने को भी तैयार- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा के लोग केवल किसानों के हितों की बातें करते हैं। वास्तव में उन्हें किसानों से कोई लेना देना नहीं है। कांग्रेस के जाम को लेकर भाजपा विधायक ने प्रकरण दर्ज करने के प्रश्न में कहा कि हम किसानों के साथ हैं और जेल जाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय को दोगुना करने का वादा किया, लेकिन जमीनी हालात आज भी नहीं सुधरे। कहीं पर किसानों के स्लाट बुक नहीं हो रहे हैं तो कहीं पर किसानों की उपज खरीदने में सरकार आनाकानी कर रही है। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा खाद के दामों में लगातार इजाफा किया जा रहा है, जिसके कारण प्रदेश के किसानों को महंगे दामों पर खाद और उर्वरक खरीदना पड़ रही है। जिसका सीधा असर किसानों की जेब पर पड़ रहा है। पूर्व सांसद सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि, भाजपा की सरकार किसान विरोधी सरकार है जो लगातार किसानों के साथ अन्याय कर रही है। प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा किसानों को महंगी खाद खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। प्रदेश के मुखिया मोहन यादव प्रदेश के भूमाफियाओं के संरक्षक बनकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 97 फीसदी किसान कर्ज में है, खाद का आनलाइन रजिस्ट्रेशन एक तरह की यातना शुरू होने जा रही है। 15 साल से जमीन अधिग्रहण की थी, उसका आखिर सरकार 4 गुना मुआवजा क्यों नहीं देना चाहती।

सामने आया पुलिस का मानवीय चेहरा- कांग्रेस के चक्काजाम के चलते वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई वाहन चालक घंटों से जाम में फंसे हुए थे। जिनकी परेशानी को देखते हुए वहां ड्यूटी पर तैनात प्रेमकिशोर व्यास, यातायात थान प्रभारी सौरभ शुक्ला, महिला थाना प्रभारी आशा सोलंकी ने वाहन चालकों को पानी उपलब्ध कराया ताकि भीषण गर्मी में लोग परेशान न हो।

विधायक ने दिखाया सेवाभाव, जलसेवा करने पहुंचे- कांग्रेस के चक्काजाम को देखते हुए विधायक अरूण भीमावद ने भी लोगों की सहायता करने का मन बनाया। गुरूवार को वे चक्काजाम स्थल पहुंचे और जो भी लोग जाम में फंसकर परेशान हो रहे थे उन्हें पानी पिलाया। साथ ही कई लोगों को उन्होंने जाम से बाहर निकलने में भी मदद की। वहीं एक-एक व्यक्ति को उन्होंने पानी की बोतलें देकर गर्मी में राहत प्रदान की।

पोस्ट ऑफिस में कल लगेगा विशेष शिविर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिलेवासी पोस्ट ऑफिस में आसानी से अपना आधार अपडेट करवा सकते हैं। इसके लिए पोस्ट ऑफिस में शनिवार को विशेष शिविर लगाया जाएगा। जहां नगरवासी सुबह 8 से शाम 6 बजे तक अपना आधार अपडेट करवा सकते हैं। पोस्ट मास्टर हरीशंकर वट इस दिन डाकघर में विशेष अभियान चलाकर सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक आधार नामांकन और अपडेट का कार्य किया जाएगा। आधार अपडेशन अभियान के तहत लोगों के आधार कार्ड में संशोधन, नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर और बायोमेट्रिक आदि आसानी से करवा सकेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में स्कूल और कालेज एडमिशन के साथ अन्य आवश्यक दस्तावेजों में आधार की अनिवार्यता को देखते हुए शाजापुर डाकघर ने इस शिविर का आयोजन किया है ताकि लोग समय रहते अपने आधार में जरूरी सुधार करवा सकें। डाकघर में भीड़ को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं।

ग्राम उमरन में जल चौपाल आयोजित कर दिया जल बचाने का सन्देश

रतलाम/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशन में कार्यपालन यंत्री श्री एस आर जांगड़े के मार्गदर्शन में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्म काल में पेयजल व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने एवं जल से सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण हेतु जल चौपाल आयोजित की जा रही हैं इसी कड़ी में रतलाम विकासखंड के ग्राम उमरन में जनपद पंचायत सीईओ श्री सीएस वास्कले ,पीएचई विभाग के सहायक यंत्री श्री डी सी कथिरिया की उपस्थिति में जल चौपाल आयोजित की गई ।

जल चौपाल में वर्तमान में पंचायत में चल रही पेयजल व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में ग्रामवासियों से चर्चा की । सीईओ श्री वास्कले ने ग्राम में चल रही नलजल योजना की स्थिति एवं उससे होने वाले जल प्रदाय के बारे में पूछा, ग्राम पंचायत में वर्षभर चलने वाले शासकीय एवं निजी पेयजल स्त्रोतों की जानकारी ली साथ ही नलजल योजना के सुचारू संचालन संधारण एवं समय पर जलकर राशि जमा करने की बात कही ओर बताया कि जल संकट से निपटने के लिए वर्षा जल को सहजने का हर संभव प्रयास करना होगा जल गंगा संवर्धन अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

सहायक यंत्री श्री कथिरिया ने जल गुणवत्ता पर चर्चा करते हुए कहा की जल उपलब्धता के साथ उसकी गुणवत्ता की जानकारी हमें होना चाहिए पेयजल स्त्रोतों के आस पास स्वच्छता बनाए रखना चाहिए ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल व्यवस्थाओं को लेकर पीएचई विभाग हमेशा तत्पर है। चर्चा के दौरान लोगों ने सवाल किए ओर अपने सुझाव भी दिए। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत को जल गुणवत्ता जांचने के लिए फील्ड टेस्ट किट भी प्रदान की गई।

इस अवसर पर उपसरपंच श्री ऋषिराज सोनगरा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के उपयंत्री श्री अर्पित चतर, विकासखंड समन्वयक श्री बबन बेनल सहीत ग्रामीणजन उपस्थित थे।

खेत में मिला विक्षिप्त युवक का शव, 4 दिन से था लापता

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सुनेरा थाना क्षेत्र के ग्राम दिलोदरी में खेत में बुधवार रात करीब 12 बजे एक युवक का शव गंभीर हालत में मिला। ग्रामीणों की सूचना पर सुनेरा पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल शाजापुर भिजवाया।

मृतक की पहचान माखन कराड़ा (28) के रूप में हुई जो उज्जैन जिले की घटिया तहसील के खजूरिया सदर का निवासी था। युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त था और अपने मामा के यहां ग्राम लोहारवास में एक कार्यक्रम में शामिल होने आया था। सुनेरा थाना प्रभारी अंकित मुकाती ने बताया कि माखन गुर्जर 24 अप्रैल को अपने मामा के घर आया था और 3 मई को बिना बताए वहां से निकल गया था। परिजनों ने उसकी तलाश की और 6 मई को कोतवाली शाजापुर में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस के प्रारंभिक अनुमान के अनुसार युवक की मौत अत्यधिक गर्मी और भूख के कारण हुई है। मानसिक रूप से विक्षिप्त होने के कारण वह रास्ता भटक गया था। पुलिस ने मर्ग पंजीबद्ध कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। युवक के शव पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं।

निगम ने निकाली स्वच्छता संदेश वाहन रैली

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता सर्वेक्षण के अन्तर्गत शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूक करने तथा कचरा संग्रहण वाहनों मे गीला एवं सुखा कचरा अलग अलग डस्टबीनों में डालना तथा अपने घरों के आसपास, मोहल्ले एवं खुले प्लाटों पर कचरा ना डालना एवं स्वच्छता बनाए रखने हेतु संदेश के रूप में 7 मई गुरूवार को नगर निगम द्वारा स्वच्छता वाहन रैली निगम परिसर से निकाली गई। 60 से अधिक वाहनों की इस रैली को निगम स्वास्थ्य समिती अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह बैस के द्वारा स्वच्छता ब्रांड एम्बेस्डर महेश सोनी, उपयंत्री जितेन्द्र सिसोदिया, व निगम स्वच्छता की टीम के साथ हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। स्वच्छता संदेश रैली शहर के प्रमुख मार्गो से निकाली गई।

इस अवसर पर श्री बैस ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत निगम द्वारा की जा रही तैयारियों हेतु शहर के सभी वार्ड क्षेत्रों में नाला, नालियों की सफाई के साथ रोड डिवाईडर, सार्वजनिक शौचालय, मुत्रालयों की भी सफाई की जाकर प्रमुख स्थानों पर रखे डस्टबीनों को खाली कराया जा रहा है। वाहन रैली का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक कर शहर को साफ स्वच्छ व सुन्दर बनाना है। इस अवसर पर निगम की ओर से अरूण तोमर, दिनेश मिश्रा, शंकर सांगते, शाहनवाज खान, संस्था ओम सांई विजन, संस्था फीडबेक फाउंडेशन के सदस्यों के साथ बडी संख्या में नागरिकगण व कर्मचारी शामिल रहे।

सतपुड़ा एकेडमी के समर कैंप में निखर रही बच्चों की प्रतिभा, 35 स्कूलों के 400 से अधिक विद्यार्थी ले रहे प्रशिक्षण

जिला खेल अधिकारी सुश्री सेना गडरिया ने कहा- समर कैंप बच्चों के सर्वांगीण विकास का मजबूत माध्यम

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी रोड पर तुलजा विहार कॉलोनी स्थित सतपुड़ा एकेडमी द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान समर कैंप का आयोजन सफलता पूर्वक किया जा रहा है। समर कैम्प में शहर के 35 से अधिक विभिन्न विद्यालयों के 400 से अधिक बच्चों को नृत्य, म्यूजिक, चित्रांकन, आर्ट्स एंड क्राफ्ट, स्केटिंग, मार्शल आर्ट, योग, क्रिकेट, फुटबॉल, साफ्टबाल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, बॉक्सिंग, सिलाई कढ़ाई, ज्वैलरी मेकिंग सहित विभिन्न कलाओं का योग्य प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जिला खेल अधिकारी सुश्री सेना गडरिया, जिला खेल समन्वय अधिकारी जावेद पठान, समाजसेवी मनीष जैन ने समर कैम्प में चल रही विभिन्न विधाओं का अवलोकन कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री गडरिया ने बच्चों को मार्गदर्शन देते हुए कहा, कि इस प्रकार के शिविर बच्चों को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। संस्था सतपुड़ा एकेडमी में अनुशासन के साथ संस्कारित वातावरण में बच्चों को विभिन्न कलाओं एवं खेल विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा जो सराहनीय है। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी ने समर कैंप में भाग ले रहे प्रतिभागियों से व्यक्तिगत रूप से संवाद किया और उनके प्रशिक्षण की जानकारी ली। समाजसेवी श्री जैन (कायथा वाला) ने कहा, कि ऐसे शिविर न केवल विद्यार्थियों की रूचियों को पहचानने में सहायक होते हैं, बल्कि उन्हें अनुशासन, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास भी सिखाते हैं। उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और आने वाली पीढ़ी को मजबूत आधार प्रदान करती है। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत संस्था संचालक भानुप्रतापसिंह सेंधव, प्राचार्य वी एस जाब ने स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छ, श्रीफल भेंट कर किया। अतिथि परिचय एवं कार्यकम का संचालन दिनेश सांखला ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण, स्कूली स्टाफ उपस्थित थे।

विश्व थैलेसीमिया दिवस 8 मई के अवसर पर रक्तदान करें - सीएमएचओ डॉ संध्या बेलसरे

रतलाम/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व थैलेसीमिया दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष 8 मई को किया जाता है। इस वर्ष की थीम जागरूकता, बचाव और देखभाल, थैलेसीमिया मुक्त भविष्य के लिए साथ आए निर्धारित की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संध्या बेलसर ने बताया कि थैलेसीमिया एक अनुवांशिक रक्त विकार है जिसके कारण रक्त में हीमोग्लोबिन कम बनता है। हमारा संकल्प है कि थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाएं, जांच को अपनाए और स्वस्थ समाज का निर्माण करें । विवाह से पहले थैलेसीमिया की जांच कराना चाहिए।

आयुक्त ने स्लम क्षेत्र और वार्ड 15 व 16 का किया निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 6 मई, स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 को दृष्टिगत रखते हुए निगमायुक्त दलीप कुमार ने मंगलवार को शहर के स्लम क्षेत्रों एवं वार्ड 15 व 16 के साथ विभिन्न वार्डों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने स्वच्छता सर्वेक्षण मानक स्तर पर स्वच्छता की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने दरोगा एवं सफाई मित्रों से सीधा संवाद कर जमीनी हकीकत जानी। कई स्थानों पर नालियों में तथा खुले स्थानों पर कचरा तथा गाजर घार पाए जाने पर स्वच्छता निरीक्षक को तत्काल सफाई करवाये जाने के साथ ही नालियों की सफाई पर विशेष फोकस दिए जाने तथा वार्ड मे किए जा रहे सफाई कार्यो की मानिटरिंग करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने वार्ड 15 एवं 16 के सार्वजनिक शौचालयों का भी निरीक्षण किया।

आयुक्त ने वार्ड दरोगाओं और स्वच्छता निरीक्षकों को निर्देश दिए कि स्लम क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। गीला-सूखा कचरा अलग-अलग एकत्रित करने, नालियों की नियमित सफाई और कचरा संग्रहण वाहनों की समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु कहा। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन 100 प्रतिशत करने तथा रहवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कचरा संग्रहण वाहनों में साफ सफाई रहे इस हेतु वाहनों की धुलाई एवं रंगाईपुताई तथा मेंटनेंस किए जाने के निर्देश वाहन अधिकारी को दिए।

विवाह समारोह में मातृ शक्ति का पहनावा, परंपरा, मर्यादा और आधुनिकता के बीच संतुलन

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि संस्कारों, परंपराओं, रिश्तों और सामाजिक मूल्यों का पावन उत्सव होता है। विवाह का हर दृश्य, हर रीति और हर व्यवहार आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संदेश बन जाता है। इस पूरे आयोजन में यदि किसी की भूमिका सबसे अधिक प्रभावशाली होती है, तो वह है – मातृ शक्ति। क्योंकि वही परिवार की संस्कृति, मर्यादा और संस्कारों की प्रथम शिक्षक होती है।

आज के समय में विवाह समारोहों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। आधुनिकता और फैशन के नाम पर पहनावे में भी बड़ा परिवर्तन दिखाई दे रहा है। कई बार यह परिवर्तन इतना अधिक हो जाता है कि वह हमारी सांस्कृतिक गरिमा और अवसर की पवित्रता पर प्रश्न खड़े करने लगता है। बचपन से लेकर प्रौढ़ावस्था तक, अनेक महिलाएँ ऐसे वस्त्र धारण करती दिखाई देती हैं जो आकर्षण और प्रदर्शन तो बढ़ाते हैं, परंतु शालीनता और मर्यादा को पीछे छोड़ देते हैं।

एक समय था जब सादगी, गरिमा और संयम को ही वास्तविक सौंदर्य माना जाता था। भारतीय नारी की पहचान उसके संस्कारों, उसकी विनम्रता और उसके संतुलित व्यक्तित्व से होती थी। आज दुर्भाग्य से फैशन की अंधी दौड़ में बाहरी दिखावे को ही आधुनिकता का प्रतीक मान लिया गया है। छोटे-छोटे बच्चों तक को ऐसे परिधान पहनाए जा रहे हैं, जो उनकी मासूमियत और आयु के अनुरूप नहीं होते। वहीं युवतियाँ और कई बार प्रौढ़ महिलाएँ भी ऐसे वस्त्रों का चयन कर लेती हैं जो विवाह जैसे पवित्र अवसर की गरिमा से मेल नहीं खाते।

सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस परिवर्तन को दिशा देने वाले माता-पिता और अभिभावक भी कई बार मौन दिखाई देते हैं। आधुनिकता के नाम पर बच्चों को स्वतंत्रता तो दी जा रही है, परंतु उसके साथ जुड़ी जिम्मेदारी और मर्यादा का पाठ नहीं पढ़ाया जा रहा। परिणामस्वरूप नई पीढ़ी सही और गलत के बीच का अंतर समझने में भ्रमित हो रही है।

यह विचार करने योग्य प्रश्न है कि हमारा पहनावा समाज को क्या संदेश देता है? क्या आधुनिकता का अर्थ अपनी संस्कृति और पहचान को पीछे छोड़ देना है? वास्तविकता यह है कि आधुनिक होना गलत नहीं, बल्कि आवश्यक है। समय के साथ चलना जीवन का नियम है। परंतु यदि आधुनिकता के नाम पर हम अपनी मर्यादा, संस्कार और सांस्कृतिक पहचान को ही भूल जाएँ, तो यह प्रगति नहीं बल्कि आत्मविस्मृति है।

अत्यधिक भड़कीले और शरीर के अनावश्यक प्रदर्शन वाले वस्त्र केवल व्यक्तिगत छवि को ही प्रभावित नहीं करते, बल्कि सामाजिक वातावरण को भी असहज बना देते हैं। बच्चे और युवा वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। जब वे ऐसे दृश्य बार-बार देखते हैं, तो उनके मन में भी वैसी ही धारणाएँ विकसित होने लगती हैं। धीरे-धीरे यही प्रवृत्ति समाज के चरित्र और मूल्यों को प्रभावित करती है।

हमें यह समझना होगा कि सुंदरता केवल बाहरी चमक में नहीं, बल्कि शालीनता, संतुलन और आत्मसम्मान में बसती है। भारतीय परिधान – जैसे साड़ी, सलवार-सूट, लहंगा आदि – केवल वस्त्र नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति की आत्मा हैं। इन परिधानों में आधुनिकता का स्पर्श अवश्य दिया जा सकता है, परंतु इस प्रकार कि उनकी गरिमा और सांस्कृतिक पहचान बनी रहे।

यदि आज हम इस विषय पर गंभीरता से चिंतन नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ अपनी जड़ों से दूर होती चली जाएँगी। समाज में संस्कारों और मूल्यों का क्षरण होगा। इसलिए यह समय केवल आलोचना का नहीं, बल्कि जागरूकता और आत्ममंथन का है।

माता-पिता, अभिभावक और समाज के प्रत्येक जिम्मेदार व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वे बच्चों और युवाओं को यह समझाएँ कि हर अवसर की अपनी गरिमा होती है। विवाह जैसे पवित्र आयोजन में ऐसा पहनावा होना चाहिए जो सम्मान, शालीनता और संस्कृति का परिचय दे। स्वतंत्रता का अर्थ मर्यादाओं को तोड़ना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के साथ सही निर्णय लेना है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मातृ शक्ति स्वयं ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करे, जिससे आने वाली पीढ़ियाँ प्रेरणा लें। क्योंकि एक संस्कारित और सजग माँ ही संस्कारित समाज की नींव रखती है।

सच्ची आधुनिकता क्या है- सच्ची आधुनिकता केवल फैशन, मेकअप या बाहरी दिखावे में नहीं होती। आधुनिकता सोच की व्यापकता, व्यवहार की मधुरता, आत्मविश्वास, स्वास्थ्य के प्रति सजगता और जीवन के संतुलन में दिखाई देती है। योग, व्यायाम, मानसिक सतर्कता और सकारात्मक संवाद ही व्यक्ति को वास्तव में आकर्षक और प्रभावशाली बनाते हैं।

चलते-चलते- मातृ शक्ति को चाहिए कि वह अपनी गरिमा, अपनी भूमिका और अपने प्रभाव को पहचानते हुए ऐसा जीवन और ऐसा व्यक्तित्व प्रस्तुत करे, जो समाज के लिए प्रेरणा बने। विवाह समारोह केवल आनंद का अवसर नहीं, बल्कि संस्कृति को जीवित रखने का माध्यम भी हैं।

यदि हम आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाए रखें, तो निश्चित ही आने वाली पीढ़ियाँ एक स्वस्थ, सुसंस्कृत और मूल्यवान समाज का निर्माण करेंगी।

वस्त्र केवल शरीर को नहीं ढँकते, वे व्यक्ति के संस्कार, सोच और परिवार की पहचान भी दर्शाते हैं।

श्रीराम महायज्ञ की ध्वजारोहण सम्पन्न

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री श्री 108 श्री महंत बिहारीदास जी महाराज की सदप्रेरणा से श्री तिरुपति बालाजी मंदिर उन्हेल चौपाटी पर पंचदिवसिय पंचकुंडात्मक श्री राम महायज्ञ एवं भगवान श्री सीताराम लक्ष्मण जी की नूतन मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन दिनांक 13 जून से 17 जून तक होने जा रहा है जिसके निमित्त ध्वजारोहण शोभायात्रा दिनांक 6 मई 2026 बुधवार को श्री राम मंदिर धाकड़ मंदिर कस्बा उन्हेल से विधिवत पूजा अर्चना एवं मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई यज्ञशाला प्रांगण श्री तिरुपति बालाजी मंदिर चौपाटी उन्हेल पहुंची। इस अवसर पर यज्ञकर्ता श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण महाराज, मंदिर पुजारी म. श्यामसुंदर दास यज्ञाचार्य पं.मधुसूदन उपाध्याय, अनुष्ठान आचार्य पं. जगदीश उपाध्याय, पं.श्रीकांत उपाध्याय, पं.राहुल शर्मा , पं.निलेश उपाध्याय , हनुमान मंदिर पुजारी शिवम बैरागी सहित अनेक संत महात्मा एवं श्रद्धालुजन आदि उपस्थित रहे।

नागदा में भव्य संकीर्तन का आयोजन 13 मई को

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में धार्मिक आस्था और भक्ति का अनोखा संगम देखने को मिलेगा, जब 13 मई, बुधवार को रात्रि 7 बजे से दरबार मेरे नागदा नरेश का के अंतर्गत भव्य संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन प्रभु इच्छा तक निरंतर चलता रहेगा। कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायिका अधिष्ठा अनुष्का (मंदसौर) अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर करेंगी। संकीर्तन का आयोजन शिवपुरा कॉलोनी में किया जाएगा, जहां बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने की संभावना है। आयोजकों के अनुसार, श्याम ने कराया, श्याम ही संभालेंगे की भावना के साथ यह आयोजन पूर्णतः प्रभु समर्पित है। कार्यक्रम का निवेदन नागदा नरेश श्याम दरबार सेवा द्वारा किया गया है। श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भक्ति रस का आनंद लेने की अपील की गई है।

राजस्व कर्मचारी के बेटे ने हासिल की MBBS की डिग्री

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो तो सफलता जरूर कदम चूमती है। इसे सच साबित कर दिखाया है राजस्व विभाग में कार्यरत धनंजय उपाध्याय के पुत्र परीक्षित उपाध्याय ने, MBBS परीक्षा उत्तीर्ण कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे बदनावर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। परीक्षित की प्रारंभिक शिक्षा नगर के कश्यप विद्यालय में हुई। बचपन से ही डॉक्टर बनने का सपना संजोए परीक्षित ने निरंतर कठिन परिश्रम करते हुए शासकीय मेडिकल कॉलेज, खंडवा से MBBS की पढ़ाई पूर्ण की। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, मित्रों एवं शुभचिंतकों में हर्ष और गर्व का माहौल है। परीक्षित ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों एवं परिवार के सहयोग को दिया। उनका कहना है कि वे भविष्य में चिकित्सा सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना चाहते हैं। पुत्र की इस सफलता पर पिता धनंजय उपाध्याय, माता श्रीमती शशिकला उपाध्याय सहित परिजनों ने मिठाई बांटकर खुशी व्यक्त की तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

लोटस कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर संस्था द्वारा घर जाकर किया विद्यार्थी एवं अभिभावकों को सम्मानित..

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी,माता-पिता एवं परिवार जन का उनके निज निवास पर स्वागत वंदन अभिनंदन किया गया।

जिसमें कक्षा 10वीं/12वीं बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रतिभावान छात्र/छात्राओं का स्वागत किया गया। संस्था संचालक जितेंद्रसिंह राजावत ने चर्चा में बताया कि यह पहल न केवल विद्यार्थियों के उत्साह को बढ़ाने का कार्य करती है..बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश भी प्रसारित करती है। पिछले वर्ष निज निवास सम्मान योजना में 22 विद्यार्थियों को सम्मानित किया था। इस योजना ने बच्चों में उत्साह का संचारण किया है। इसी से प्रभावित होकर इस वर्ष बच्चों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है।

मुख्यमंत्री लैपटॉप योजना में भी बड़नगर तहसील में सबसे अधिक लोटस कॉन्वेंट स्कूल के 61 विद्यार्थियों का चयन।

कुल 15 लाख 25 हजार रुपए की राशि विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी..!

म.प्र. शासन द्वारा..कक्षा 12वीं बोर्ड में 75त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 25000 की राशि प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की जाती है..जिसमें इस वर्ष लोटस कॉन्वेंट स्कूल से..ऐतिहासिक कीर्तिमान रचते हुए 61 विद्यार्थी चयनित हुए है..!

ज्ञातव्य है कि लोटस ग्रुप द्वारा संस्था में अध्ययनरत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाती है ! जिसके परिणामस्वरूप प्रतिवर्ष विद्यार्थी श्रेष्ठ प्रदर्शन करते है और इसी प्रदर्शन के चलते संस्था द्वारा उनके मनोबल को और अधिक बढ़ाने हेतु निज निवास जाकर सम्मान कर प्रोत्साहित किया जाता है।

संभागायुक्त ने नारायणगंज में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा की

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा संचालित आकाँक्षी विकास खण्ड कार्यक्रम के अंतर्गत आज मंडला जिले के आकांक्षी विकासखंड नारायणगंज में भारत सरकार एवं राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं /परियोजनाओं एवं निर्धारित संकेतकों की विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में तेजी लाने के साथ-साथ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने एवं मौजूदा योजनाओं के प्रभावी एकीकरण पर विशेष जोर दिया। संभागायुक्त ने स्पष्ट किया कि नीति आयोग की मंशा पिछड़े क्षेत्रों में डिजिटल उपकरणों और डेटा संचालित दृष्टिकोण के माध्यम से त्वरित एवं समावेशी विकास सुनिश्चित करना है, इसलिए सभी विभागीय अधिकारी परिणामों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार कार्य समय सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। बैठक में शासन के निर्धारित फोकस क्षेत्र स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन और अवसंरचना के निर्धारित संकेतकों पर विस्तार से चर्चा की गई। संभागायुक?त श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे चयनित संकेतकों को पूर्ण रूप से सेचुरेट करने के लिए एक प्रभावी रणनीति तैयार करें । इस समीक्षा बैठक में संभाग, जिला और ब्लॉक स्तर के सभी प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्हें विकासखंड की समग्र प्रगति सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश संभागायुक्त द्वारा दिए गए हैं। संभागायुक?त ने खूंटापड़ाव गेहूं उपार्जन केंद्र का किया आकस्मिक निरीक्षण, किसानों से किया संवाद संभागयुक?त श्री सिंह ने आकांक्षी विकासखंड नारायणगंज में विकास कार्यों की समीक्षा के बाद बीजाडांडी विकासखंड के खूंटापड़ाव गेहूं उपार्जन केन?द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खरीदी व्यवस्था, किसानों को उपलब्ध सुविधाओं तथा समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया। संभागायुक?त श्री सिंह ने केंद्र पर उपस्थित किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली तथा अधिकारियों को किसानों की आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को मिट्टी परीक्षण, उन्नत कृषि तकनीकों तथा खाद-बीज की उपलब्धता एवं गुणवत्ता के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त खाद एवं बीज उपलब्ध कराने तथा मृदा परीक्षण के सम्बंध में संयुक्त संचालक कृषि विभाग को विभागीय निर्देशों के अनुसार कार्यवाही के निर्देश भी दिए।

9 वर्ष से रासायनिक खेती त्याग घर पर बना रहे जैविक पद्धतियों से खाद

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विकासखंड पाटन के ग्राम जरौंद से कृषक रामदीन पटेल पिछले 9 वर्षों से रासायनिक खेती को त्याग कर पूरी तरह प्राकृतिक विधि अपना रहे हैं। अपने सफल प्रयासों से रामदीन न केवल भूमि की उर्वरता बढ़ा रहे हैं, बल्कि जिले में चल रहे साप्ताहिक जैविक हाट के माध्यम से अपने उत्पादों का उचित दाम भी प्राप्त कर रहे हैं। गुरुवार को अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने किसान रामदीन पटेल के खेत में भ्रमण कर उनके द्वारा तैयार किए गए विभिन्न जैविक आदानों की गुणवत्ता को बारीकी से देखा और उनके प्रयासों की सराहना की। रामदीन पटेल ने अधिकारियों को बताया कि वे बाजार से महंगे उर्वरक या कीटनाशक खरीदने के बजाय, घर पर ही जैविक और वैज्ञानिक पद्धतियों से खाद तैयार करते हैं। वर्तमान में उनके फार्म पर जैविक उत्पादों का निर्माण और उपयोग हो रहा है जिसमें जीवामृत और घनजीवामृत का उपयोग मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, पुष्प जैव रसायन का उपयोग पौधों की वृद्धि और फूलों के विकास और खट्टा, कड़वा और बेल जैव रसायन खाद प्राकृतिक कीटनाशक और फफूंदनाशक का कार्य करते हैं, जिससे फसलों को बीमारी से बचाया जाता है। रामदीन पटेल ने अधिकारियों को घनजीवामृत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह सूखे खाद का वह रूप है जो सूक्ष्मजीवों का भंडार है। रामदीन ने बताया कि घनजीवामृत बनाने के लिए मुख्य रूप से देशी गाय का गोबर, गोमूत्र, थोड़ा गुड़, बेसन और मेड़ या बरगद पेड़ के नीचे की मिट्टी (सजीव मिट्टी) का मिश्रण तैयार किया जाता है। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाकर कुछ दिनों के लिए छाया में सुखाया जाता है। सूखने के बाद इसे चूर्ण बनाकर खेतों में बुवाई के समय या फसल की जड़ों में दिया जाता है। किसान रामदीन ने बताया कि घनजीवामृत मिट्टी में कार्बन की मात्रा और केंचुओं की सक्रियता को बढ़ाता है।

आदेश जारी, लेकिन कार्रवाई गायब! बड़नगर तहसील में किसका संरक्षण?

बिरियाखेड़ी अतिक्रमण मामला बना प्रशासन की साख पर सबसे बड़ा सवाल

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। ग्राम बिरियाखेड़ी में शासकीय भूमि पर हुए कथित अवैध अतिक्रमण को लेकर अब मामला विस्फोटक मोड़ पर पहुंच गया है।

राजस्व अमले की जांच में अतिक्रमण की पुष्टि होने के बाद भी, जमीन पर बना गोदाम आज तक जस का तस खड़ा है।

तहसीलदार के आदेश की उड़ रही धज्जियां- सूत्रों के अनुसार, पटवारी जांच में अतिक्रमण स्पष्ट पाया गया तहसीलदार द्वारा खुद अवैध कब्जा मानते हुए बेदखली आदेश जारी किया गया फिर भी एक महीने से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी कार्रवाई शून्य!

सरकारी आदेश बनकर रह गया कागज- जिस आदेश से अतिक्रमण हटना था, वही आदेश अब फाइलों में दबा नजर आ रहा है।

मौके पर बना गोदाम खुलेआम खड़ा होकर प्रशासनिक व्यवस्था को चुनौती देता दिखाई दे रहा है।

जनता के बीच उठ रहे तीखे सवाल आदेश के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं?

क्या राजस्व विभाग पर किसी का दबाव है?

आखिर किस वजह से अतिक्रमण हटाने में देरी?

लोग अब खुले तौर पर जवाब मांग रहे हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल- इस पूरे मामले में राजस्व विभाग के वरिष्ठ जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी भी चर्चा का विषय बन गई है।

इतने स्पष्ट मामले में भी ठोस कार्रवाई न होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

तहसील में गूंज रहा एक ही सवाल- जब खुद प्रशासन अतिक्रमण मान चुका है, तो फिर कार्रवाई से परहेज क्यों?

जनता की मांग - अब और नहीं इंतजार, तुरंत अतिक्रमण हटाया जाए, आदेश का पालन सुनिश्चित किया जाए, जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई हो, कागजों में कार्रवाई, जमीन पर बेअसर – क्या यही है राजस्व विभाग की हकीकत?

उत्कृष्ट राजस्व वसूली और विद्युत चोरी रोकथाम में जबलपुर शहर वृत्त ने रचा नया कीर्तिमान

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वित्तीय वर्ष 2025-26 में म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के शहर वृत्त जबलपुर ने राजस्व वसूली एवं बकाया राशि प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे मध्यप्रदेश में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जब राज्य स्तर पर केवल सीमित सर्कलों में ही बकाया राशि में कमी दर्ज की गई, वहीं जबलपुर शहर वृत्त ने 14.82 प्रतिशत की ऐतिहासिक कमी दर्ज कर पूर्व क्षेत्र कंपनी ही नहीं, बल्कि प्रदेश के सभी जिलों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह ने इस उपलब्धि पर आज अधीक्षण अभियंता श्री संजय अरोरा को प्रशंसा पत्र प्रदान किया। प्रशंसा पत्र में उल्लेख किया गया है कि जबलपुर शहर द्वारा सर्वाधिक राजस्व वसूली प्रभावी रणनीति, सतत मॉनिटरिंग और फील्ड स्तर पर सशक्त क्रियान्वयन का परिणाम है। विद्युत चोरी रोकने के लिए चलाए गए विशेष अभियानों के तहत दिन एवं रात में लगातार सघन कार्रवाई की गई। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध विद्युत उपयोग के मामलों को चिन्हित कर दोषियों के विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई की है। साथ ही विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधानों के अंतर्गत सख्त प्रवर्तन कर निवारक वातावरण स्थापित किया गया है। समाधान योजना के सफल क्रियान्वयन और बकाया वसूली में उल्लेखनीय प्रगति को विभाग की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह ने अधीक्षण अभियंता म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड श्री संजय अरोरा की कार्यशैली, नेतृत्व क्षमता और विभाग के प्रति समर्पण अन्य अधिकारियों के सहयोग की सराहना की। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते हुए विभागीय लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता रहेगा।

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय सुसनेर में प्रवेश मेले का हुआ आयोजन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय सुसनेर में प्राचार्य डॉ. जी. सी. गुप्ता के निर्देशन में प्रवेश मेले का सफल आयोजन दिनांक 7 मई गुरुवार को किया गया। इस मेले का उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों को महाविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया एवं विभिन्न सुविधाओं की समुचित जानकारी प्रदान करना है।

प्रवेश नोडल अधिकारी द्वारा विद्यार्थियों को ई-प्रवेश प्रक्रिया, पाठ्यक्रम चयन (मेजर/माइनर/एमडीसी) एवं विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही, ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन एवं ऑनलाइन फीस जमा करने की प्रक्रिया भी विद्यार्थियों को समझाई गई।

मेले के दौरान महाविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं जैसे प्रयोगशालाएं, क्रीड़ा विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स) इकाई आदि के बारे में भी जानकारी दी गई जिससे विद्यार्थी संस्थान के शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक वातावरण से परिचित हो सकें।

विद्यार्थियों की सुविधा के लिए स्टूडेंट हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है, जहां ऑन द स्पॉट पंजीयन की व्यवस्था की गई है। हेल्प डेस्क में नोडल अधिकारी डॉ. आदिश कुमार जैन, आकांक्षा श्रीवास्तव, रामकुमार अंजोरिया, लविश जैन, बद्रीलाल डाबी एवं कंप्यूटर ऑपरेटर नीरज भावसार सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

यह प्रवेश मेला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो होगा। इस दौरान आसपास क्षेत्र के 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने प्रवेश मेले में बड़ी संख्या में सक्रिय सहभागिता दिखाई।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर परिषद का विशेष अभियान, अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने लिया नागरिकों से स्वच्छता फीडबैक

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत नगर परिषद सुसनेर द्वारा नगर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को विशेष जनसंपर्क एवं स्वच्छता फीडबैक अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी स्वयं नगर परिषद के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वच्छता अमले के साथ शहर की विभिन्न गलियों और प्रमुख बाजारों में पहुंचे तथा नागरिकों से सीधे संवाद कर स्वच्छता व्यवस्था को लेकर सुझाव और फीडबैक लिया।

नगर परिषद का यह अभियान इतवारिया बाजार चौराहा से प्रारंभ हुआ, जो शुक्रवारिया, स्टेट बैंक चौराहा, हाथी दरवाजा होते हुए सब्जी मंडी क्षेत्र तक पहुंचा। इस दौरान अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने दुकानदारों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों से मुलाकात कर नगर परिषद द्वारा किए जा रहे सफाई कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने नागरिकों से शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल नगर परिषद की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक की सहभागिता से ही शहर को सुंदर और साफ बनाया जा सकता है।

अभियान के दौरान कई नागरिकों ने सफाई व्यवस्था, नालियों की सफाई, कचरा संग्रहण एवं सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता से जुड़ी समस्याएं भी रखीं। अध्यक्ष सोनी ने मौके पर ही संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए समस्याओं के त्वरित निराकरण के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि नगर परिषद का प्रयास है कि शहर के प्रत्येक वार्ड में नियमित सफाई व्यवस्था बनी रहे और नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान नगर परिषद द्वारा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया। नागरिकों से घरों एवं दुकानों के बाहर कचरा नहीं फैलाने, डस्टबिन का उपयोग करने तथा नगर को स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की गई।

अभियान में सीएमओ ओपी नागर, पार्षद प्रतिनिधि पवन शर्मा, युगल किशोर परमार, कमल गर्ग सहित नगर परिषद का स्वच्छता अमला एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर परिषद के इस जनसंपर्क अभियान को नागरिकों ने सकारात्मक पहल बताते हुए सराहना की।

कलेक्टर की अध्यक्षता में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, समय-सीमा एवं फिनिशिंग का विशेष ध्यान रखने के निर्देश सिंचाई, सड़क एवं शासकीय भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माण एवं अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल संसाधन, लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी, एनएचएआई एवं अन्य संबंधित विभागों के निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग श्री विपिन पाटीदार द्वारा जिले में निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की गई। उन्होंने बताया कि थांदला क्षेत्र में तलावड़ा बांध परियोजना, झांगर तालाब, राणापुर में कालापान बैराज, झाबुआ में उमरिया वैजंत्री बैराज, रामा में खरडू बैराज तथा पेटलावद क्षेत्र में कानाकुआं एवं रामगढ़ बैराज निर्माण कार्य प्रगतिरत हैं।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से जिले की सिंचाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे किसानों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। लोक निर्माण विभाग (भवन) की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने अवगत कराया कि विभाग के अंतर्गत 15 कार्य प्रगतिरत हैं तथा 2 कार्य अप्रारंभ हैं। कलेक्टर ने अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि विधि महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जून 2026 तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त सांदीपनि विद्यालय कल्याणपुरा का कार्य जून 2026 तक, सांदीपनि झाबुआ का कार्य मई 2026 तक, सांदीपनि थांदला का कार्य जून 2026 तक तथा रजला परियोजना का कार्य मई 2026 तक पूर्ण किए जाने की जानकारी दी गई।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पीआईयू द्वारा हैंडओवर किए जाने से पूर्व सभी कार्य पूर्ण गुणवत्ता एवं उचित फिनिशिंग के साथ सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

एमपीआरडीसी की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने रतलाम-झाबुआ मार्ग निर्माण कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान यदि पाइपलाइन अथवा अन्य संरचनाओं को क्षति पहुंचती है, तो उनका रिस्टोरेशन कार्य तत्काल कराया जाए तथा निर्माण गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

बैठक में एनएचएआई अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि कालीदेवी क्षेत्र में सर्विस रोड निर्माण कार्य अतिक्रमण के कारण प्रभावित हो रहा है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एनएचएआई अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध मीडियन कट के कारण दुर्घटनाओं एवं संपत्ति नुकसान की समस्या से भी अवगत कराया। इस पर कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी बढ़ाने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग द्वारा योजना मद अंतर्गत संचालित कार्यों की जानकारी देते हुए बताया गया कि कुल 22 कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें से 19 कार्य प्रगतिरत हैं तथा 2 कार्य निविदा स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद प्रारंभ किए जाएंगे। कलेक्टर ने विभिन्न सड़कों के निर्माण कार्यों को तीव्र गति से पूर्ण करने एवं कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतने के निर्देश दिए।

बैठक में कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी श्री जयकुमार मीणा, कार्यपालन यंत्री पीआईयू श्री वसुनिया, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग श्री विपिन पाटीदार सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। खरीफ फसलों की बोनी की तैयारी को लेकर जिले में रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। प्रदेश स्तर पर वर्तमान में लगभग 6.40 लाख मैट्रिक टन यूरिया, 1.57 लाख मैट्रिक टन डीएपी, 3.56 लाख मैट्रिक टन एनपीके तथा 3.50 लाख मैट्रिक टन एसएसपी खाद उपलब्ध है, जिससे किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में उर्वरक आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था को लेकर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा लगातार समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं। जिला प्रशासन किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु सतत मॉनिटरिंग कर रहा है। कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री एन.एस. रावत के निर्देशन में जिले में खरीफ सीजन हेतु उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। वर्तमान में जिले में यूरिया 10,905 मैट्रिक टन, डीएपी 1,462 मैट्रिक टन, एसएसपी 1,262 मैट्रिक टन, एमओपी 428 मैट्रिक टन एवं एनपीके 2,123 मैट्रिक टन उपलब्ध है। वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद जिले में उर्वरकों की आपूर्ति निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निरंतर जारी है। जिले में उपलब्ध खाद की जानकारी सोसायटीवार, मार्कफेड डबल लॉक केंद्रवार एवं निजी विक्रेताओं के अनुसार ई-विकास पोर्टल पर उपलब्ध है। कृषक बंधु अपनी सुविधा अनुसार सोसायटी अथवा अधिकृत विक्रेता से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से बुकिंग कर उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं। ई-विकास प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी, वन पट्टाधारी, सिकमी किसान, शारीरिक रूप से दिव्यांग किसान, वृद्ध किसान, मृतक किसान के वारिस, धार्मिक संस्थान एवं ट्रस्ट की भूमि के लिए भी उर्वरक उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान की गई है। किसान अनुशंसित मात्रा के अनुसार यूरिया, एसएसपी, एनपीके, डीएपी एवं पोटाश खाद एक साथ प्राप्त कर सकते हैं।

नारकोटिक्स एवं नशीले पदार्थों की रोकथाम को लेकर कलेक्टर ने की नारकोटिक्स को-ऑर्डिनेशन समिति की बैठक

नशीली दवाओं के अवैध उपयोग, भंडारण एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीले पदार्थों के अवैध उपयोग, भंडारण तथा विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में नारकोटिक्स को-ऑर्डिनेशन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नशे की रोकथाम, औषधीय दवाओं की निगरानी, कानून प्रवर्तन तथा जन-जागरूकता संबंधी विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नशीले पदार्थों के विरुद्ध प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा समन्वित एवं सतत कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिलेभर में नियमित चेकिंग अभियान संचालित करने तथा विशेष रूप से शेड्यूल 'एक्स' श्रेणी की दवाओं के क्रय-विक्रय, भंडारण एवं वितरण की सघन जांच करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में बताया गया कि विगत माह निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर एक लाइसेंस निलंबित किया गया है।

कलेक्टर ने सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए निर्देशित किया कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास संयुक्त जांच अभियान चलाए जाएं। उन्होंने विद्यालय, महाविद्यालय एवं छात्रावासों के 100 मीटर की परिधि में स्थित दुकानों की नियमित जांच सुनिश्चित करने तथा इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के नशीले अथवा मादक पदार्थों की उपलब्धता पूर्णतः प्रतिबंधित रखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग को जिले में नियमित नशामुक्ति कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित विभागों को मेडिकल स्टोरों की सघन जांच कर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, एसडीओपी झाबुआ श्री कमलेश शर्मा, सहित स्वास्थ्य, औषधि नियंत्रण, सामाजिक न्याय, शिक्षा एवं पुलिस विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिक सड़क दुर्घटना वाले स्थानों पर यातायात सम्बंधी आवश्यक सुधार करें

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क निर्माण से जुड़े विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों को अधिक सड़क दुर्घटनाओं के कारण ब्लैक स्पॉट्स के रूप में चिन्हित किया गया है, वहां दुर्घटनाएं रोकने के लिए आवश्यक सुधार किए जाएं, ताकि दुर्घटनाएं न हों। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने नवागत पुलिस अधीक्षक श्री अगम जैन का पुष्प कुछ भेंट कर स्वागत किया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने इस दौरान सनसनीखेज अपराधों, नारकोटिक्स सम्बंधी अपराधों, गबन धोखाधड़ी सम्बंधी अपराधों के सम्बंध में की गई कार्यवाही की प्रगति की समीक्षा की। के साथ-साथ अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा और श्री के.आर. बड़ोले, सहायक कलेक्टर सुश्री शिल्पा चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री महेन्द्र तारणेकर सहित परिवहन, खनिज, खाद्य सुरक्षा, विद्युत, नगर निगम, आबकारी विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे।

रामनगर रोड पर स्ट्रीट लाइट लगवाएं- बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने रामनगर रोड पर दुर्घटनाएं रोकने के लिए यातायात पुलिस द्वारा चिन्हित स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगवाने के निर्देश नगर निगम आयुक्त को दिए। उन्होंने माताचौक से रामनगर पुलिस चौकी के बीच चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स वाले स्थान पर डिवाइडर लगवाने तथा चीराखदान से टिठियाजोशी के बीच ब्लैक स्पॉट्स वाले स्थान पर दुर्घटनाएं रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने के निर्देश सड़क विकास निगम के अधिकारियों को दिए।

शराब की दुकानों पर रेट लिस्ट और सीसीटीवी कैमरे लगवाएं- कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला आबकारी अधिकारी को शराब की दुकानों पर रेट लिस्ट लगवाने तथा शराब की प्रत्येक दुकान पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टर को मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर यह देखने के लिए कहा कि प्रतिबंधित ड्रग्स को वहां नहीं बिक रहीं है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर्स के बिना लिखित परामर्श के इस तरह की दवाएं मेडिकल स्टोर्स पर न बेची जाएं, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने खण्डवा में नशा विरोधी गतिविधियां व कार्यशाला आयोजित करने तथा स्कूल कॉलेजों में विद्यार्थियों को नशा मुक्ति कार्यक्रमों से जोड़ने के लिए भी कहा। उन्होंने उप संचालक कृषि तथा जिला आबकारी अधिकारी को निर्देश दिए कि समय समय पर संयुक्त भ्रमण कर यह देखें कि खेतों के बीच कहीं गांजे की खेती तो नहीं हो रही है।

एकलव्य विद्यालय झिरन्या में स्पोर्ट्स मीट का आयोजन

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय झिरन्या में स्पोर्ट्स मीट 2026-27 का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 100 मीटर व 200 मीटर दौड, खो-खो, रस्साकशी, सैक रेस, शॉट पुट, लेमन रेस एवं क्रिकेट सहित अनेक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने पूरे जोश, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। 100 मीटर दौड बालक वर्ग में सचिन डावर तथा बालिका वर्ग में उषा डावर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड में बालक वर्ग से संदीप खर्ते और बालिका वर्ग से पायल धारवे विजेता रहीं। सैक रेस में बालक वर्ग से संतोष भट्ट एवं बालिका वर्ग से सरस्वती, शॉट पुट बालक वर्ग में अनिरुद्ध तथा बालिका वर्ग में वैशाली ने जीत दर्ज की। लेमन रेस में बालक वर्ग से प्रवीण आर्य और बालिका वर्ग से जयश्री विजेता रहीं। खो-खो प्रतियोगिता में बालक वर्ग में ब्रह्मपुत्र हाउस तथा बालिका वर्ग में गंगा हाउस प्रथम रहा। रस्साकशी में बालक वर्ग में तापी हाउस और बालिका वर्ग में गोदावरी हाउस विजेता बने।

सोमनाथ संवाद श्रृंखला के अंतर्गत विशेष ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाविद्यालय में सोमनाथ संवाद श्रृंखला के अंतर्गत भारतीय सांस्कृतिक इतिहास, ज्योतिर्लिंग परंपरा एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण विषय पर विशेष ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. पूर्णिमा बीसे ने बताया कि अग्रणी महाविद्यालय खरगोन के इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. कैलाश रॉय ने मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए।

अपने उद्बोधन में डॉ. रॉय ने भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा, आध्यात्मिक विरासत तथा ज्योतिर्लिंगों के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि भारतीय स्वाभिमान, सांस्कृतिक अस्मिता एवं पुनर्जागरण का सशक्त प्रतीक है। साथ ही विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के संरक्षण, अध्ययन और संवर्धन के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों के निपटारे का सुनहरा मौका

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लंबित प्रकरणों के त्वरित और सौहार्दपूर्ण निराकरण के लिए समाधान समारोह-2026 (विशेष लोक अदालत) का आयोजन किया जा रहा है। यह भव्य आयोजन 21, 22 और 23 अगस्त-2026 को सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के परिसर में होगा।

इन मामलों का होगा समाधान- इस विशेष लोक अदालत में उन सभी प्रकरणों को लिया जाएगा जिनमें दोनों पक्षों की आपसी सहमति हो। मुख्य रूप से श्रेणियों के मामलों का निपटारा किया जाएगा। जिसमें बैंकिंग एवं बीमा से संबंधी प्रकरण, सिविल (दीवानी) प्रकरण, मोटर दुर्घटना प्रतिकर प्रकरण, उपभोक्ता विवाद एवं रेरा से संबंधित प्रकरण, पारिवारिक विवाद प्रकरण, वाणिज्यिक एवं आर्बिट्रेशन प्रकरण, भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रकरण, शासकीय सेवकों से संबंधित सेवा प्रकरण, किराया नियंत्रण एवं सार्वजनिक परिसरों (बे-दखली) अधिनियम से संबंधित प्रकरण, श्रम एवं औद्योगिक विवाद, स्थानांतरण याचिकाएं एवं अन्य कोई भी प्रकरण जो विधि अनुसार समझौता योग्य हो।

पक्षकारों के लिए विशेष सुविधा- मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष श्रीमती आशिता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में झाबुआ जिले के पक्षकारों के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ, तहसील विधिक सेवा समिति तहसील न्यायालय पेटलावद/थांदला में मध्यस्थता केंद्रों पर प्री-सिटिंग और मध्यस्थता बैठकों का आयोजन करेगें। पक्षकार इन बैठकों में स्वयं उपस्थित होकर या वर्चुअल माध्यम (ऑनलाइन) से भी जुड़ सकते हैं। समाधान समारोह की मुख्य विशेषताएं*- पूर्णतः स्वैच्छिक प्रक्रिया है। दोनों पक्षों की सहमति आवश्यक, पूर्व-समझौता (मध्यस्थता) बैठकें, ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनों विकल्प उपलब्ध, कोर्ट फीस की वापसी, आदेश अंतिम।

कैसे करें आवेदन- यदि आपका मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और लोक अदालत के लिए चिन्हित सूची में नहीं है, तो आप 31 मई 2026 तक अपने प्रकरण को रेफर करवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ, तहसील विधिक सेवा समिति तहसील न्यायालय पेटलावद/थांदला से संपर्क कर सकते है।

मंदसौर में निक्की बस पलटी, 29 व्यक्ति घायल, एक युवक की मृत्यु, कलेक्टर- एसपी अस्पताल पहुंचे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ में थाने के तहत डीगांव-माल्या रोड पर गुरुवार शाम करीब 6 बजे एक यात्री बस पलट गई। शामगढ़ से मंदसौर आ रही निक्की नाम की बस सामने से आ रहे वाहन को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में एक यात्री वर्दीचंद पिता देवीलाल मेघवाल 25 वर्ष निवासी बेटीखेड़ी की मौत हो गई जबकि करीब 29 यात्री घायल हो गए। घायलों में 10 ऐसे यात्री हैं जिन्हें ज्यादा गंभीर चोट आई हैं। बस मंदसौर की ओर आ रही थी। इसी दौरान सामने से आए वाहन को बचाने के प्रयास में चालक ने अचानक बस मोड़ी, जिससे बस असंतुलित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीण तत्काल मदद के लिए पहुंचे। घटना की सूचना मिलते ही मंदसौर सीएसपी जितेंद्र भास्कर, कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी घायलों को तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए जिला अस्पताल में प्रशासनिक अमला और स्वास्थ्य विभाग की टीम मुस्तैद किया गया है। डॉक्टरों द्वारा घायलों का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है, वहीं गंभीर रूप से घायल कुछ यात्रियों को विशेष निगरानी में रखा गया है।

अंगदान-देहदान जागरूकता का संदेश

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधि महाविद्यालय में अंगदान एवं देहदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विशेष कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में अंगदान के महत्व को समझाना तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. दिग्विजयसिंह मंडलोई के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक प्राध्यापक श्री चन्द्रभान त्रिवेदी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि अंगदान किसी व्यक्ति को नया जीवन देने का सबसे बडा माध्यम है। एक व्यक्ति के अंगदान से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने देहदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए अत्यंत उपयोगी है। कार्यक्रम की संयोजक सुश्री तृप्ति जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में अंगदान को लेकर अभी भी कई भ्रांतियाँ व्याप्त हैं, जिन्हें दूर करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और दूसरों को भी अंगदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने अंगदान को ÷महादान÷ बताते हुए इसके सामाजिक, नैतिक एवं मानवीय पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मृत्यु के बाद भी जीवन देने का अवसर केवल अंगदान के माध्यम से ही संभव है, इसलिए इसे महादान कहा गया है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया तथा उपस्थित सभी लोगों ने अंगदान के लिए प्रेरित करने की शपथ भी ली। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक ली KPI आधारित लक्ष्य निर्धारण एवं डाटा ड्रिवन कार्यप्रणाली पर जोर NQAS प्रमाणन एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधार पर जोर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अंतर्गत जिले में चयनित विभिन्न इंडीकेटर्स की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं से संबंधित विभागों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की रैंकिंग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग अपने-अपने इंडीकेटर्स पर [illegible] आधारित लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करें। उन्होंने कहा कि नियमित समीक्षा, तकनीकी हस्तक्षेप एवं डाटा ड्रिवन कार्यप्रणाली को प्राथमिकता देते हुए परिणाम आधारित कार्य सुनिश्चित किया जाए।

स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी इंडीकेटर्स की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने प्रथम ट्राइमेस्टर में 100 प्रतिशत एएनसी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आशा एवं एएनएम स्तर तक लक्षित कार्ययोजना तैयार करने, नवविवाहित दंपत्तियों की जानकारी कपल रजिस्टर में दर्ज करने, गर्भधारण को ट्रैक करने एवं समय पर पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संस्थागत प्रसव की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी प्रसव संस्थागत रूप से कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों में होने वाले प्रसव की जानकारी भी अनमोल पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज की जाए। जन्म के समय कम वजन वाले बच्चों की समस्या के निराकरण हेतु कलेक्टर ने निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं की देखभाल एएनसी पंजीयन के समय से ही गंभीरता से की जाए, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सके।

स्वास्थ्य संस्थाओं को [illegible] प्रमाणित कराने की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य संस्थाओं में पर्याप्त अमले की उपलब्धता एवं गुणवत्ता सुधार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर जामली के निरीक्षण के दौरान एएनएम के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए जाने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही केंद्र पर पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

कल्याणपुरा आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान मात्र तीन बच्चों की उपस्थिति एवं सहायिका द्वारा संपूर्ण कार्य किए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित सुपरवाइजर एवं कार्यकर्ता को नोटिस जारी करने तथा भविष्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं पाए जाने के सख्त निर्देश दिए।

हाइपरटेंशन एवं डायबिटीज संबंधी इंडीकेटर्स की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे मरीजों की सूची तैयार कर नियमित फॉलोअप करने तथा आवश्यकतानुसार दवाइयों की होम डिलीवरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महिलाओं को टीएचआर समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा [illegible] एवं [illegible] से संबंधित इंडीकेटर्स की भी विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी आंगनवाड़ी केंद्रों एवं स्कूलों में शौचालय उपलब्ध हों तथा उनका नियमित एवं व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया जाए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

ढाबा रोड चौड़ीकरण और फोरलेन निर्माण की रफ्तार बढ़ाई जाए

संभागायुक्त व कलेक्टर ने नीलगंगा, काल भैरव, सिद्धवट और केडी पैलेस मार्गों के निरीक्षण के दौरान कहा- गुणवत्ता से समझौता नहीं करने की दी चेतावनी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 को लेकर प्रशासन ने मैदानी तैयारियों की मॉनिटरिंग तेज कर दी है। गुरुवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए चल रहे सड़क चौड़ीकरण और फोरलेन निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निर्माण एजेंसियों को साफ निर्देश दिए कि काम की गुणवत्ता बनाए रखते हुए गति बढ़ाई जाए, ताकि तय समय सीमा में कार्य पूरे हो सकें।

निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने शांति नगर-नीलगंगा-कवेलू कारखाना मार्ग पर निर्माणाधीन चौड़ीकरण कार्य का जायजा लिया। यह मार्ग सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही का प्रमुख रूट माना जा रहा है। अधिकारियों ने मौके पर निर्माण की प्रगति, सड़क की चौड़ाई, यातायात व्यवस्था और तकनीकी मानकों की जानकारी ली।

इसके बाद संभागायुक्त और कलेक्टर ने काल भैरव मंदिर क्षेत्र, सिद्धवट मंदिर मार्ग और केडी पैलेस तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क एवं फ्लाईओवर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों से कहा कि सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन को देखते हुए हर निर्माण कार्य भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाए।संभागायुक्त ने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि गुणवत्ता के साथ तेजी से काम पूरा करें, ताकि सिंहस्थ-2028 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को बेहतर यातायात और सुविधाएं मिल सकें।

कालिदास अकादमी में बनेगा स्थायी डोम, शुरू हुई तैयारी

मुक्ताकाशी मंच के सामने हर आयोजन में अस्थायी ढांचे पर होता था लाखों का खर्च

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोठी रोड स्थित कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर में स्थायी डोम निर्माण की तैयारी शुरू हो गई है। मुक्ताकाशी मंच के सामने लगे पेवर ब्लॉक हटाने का काम इन दिनों तेजी से चल रहा है। इसके लिए जेसीबी मशीन की मदद ली जा रही है। निर्माण पूर्व की यह कार्रवाई अंतिम चरण में पहुंच गई। अगले माह से उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा स्थायी डोम का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

लंबे समय से प्रस्तावित यह योजना अब जमीन पर उतरती दिखाई दे रही है। अकादमी परिसर में होने वाले सांस्कृतिक और शासकीय आयोजनों के लिए हर बार अस्थायी डोम तैयार किया जाता था। इस पर बड़ी राशि खर्च होती थी और आयोजन समाप्त होने के बाद उसे हटाने में भी समय और संसाधन लगते थे। स्थायी डोम बनने के बाद आयोजनों के लिए बार-बार अस्थायी संरचना खड़ी करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे समय और सरकारी खर्च दोनों की बचत होगी। अधिकारियों का मानना है कि भविष्य में यहां बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम अधिक व्यवस्थित तरीके से आयोजित किए जा सकेंगे।अकादमी परिसर में चल रहे कार्य को लेकर कालिदास संस्कृत अकादमी के निदेशक गोविंद गंधे ने बताया कि मुक्ताकाशी मंच के सामने स्थायी डोम निर्माण के लिए पेवर ब्लॉक हटाए जा रहे हैं। यह कार्य यूडीए और संस्कृति विभाग मिलकर कर रहे हैं। कालिदास अकादमी सीधे तौर पर इस निर्माण एजेंसी में शामिल नहीं है।

पुराने विवाद को लेकर कंचनपुरा में तोड़फोड़ और मारपीट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुराने विवाद को लेकर बुधवार गुरुवार रात में कुछ लोगों ने एक मकान में घुसकर तोड़फोड़ की और महिलाओं से मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। विवाद की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। तोड़फोड़ और मारपीट करने वालों की तलाश की जा रही है। कंचनपुरा में भागीरथ रायकवार का मकान बना हुआ है। भागीरथ आईटीआई में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है। रात में वह ड्यूटी पर चला गया था। घर में उसकी पुत्री पूजा और मां भगवती बाई थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले गोलू उर्फ सूर्या का ढांचाभवन में रहने वाला जीजा अपने 8-10 साथियों के साथ शराब पीकर पहुंचा और भागीरथ के मकान का दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गया। सभी ने घर में तोड़फोड़ करने के साथ पूजा, भगवती बाई से मारपीट की। विवाद की खबर लगने पर समीप रहने वाली पूजा की बुआ उषा और काका का लड़का भरत बीच बचाव के लिए पहुंचे तो उन्हें भी बुरी तरह मारा गया। हंगामा होने पर आसपास के लोग भी एकत्रित हो गए। तोड़फोड़ और मारपीट करने वाले भाग निकले। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस कंचनपुरा पहुंच गई थी। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पूजा ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले गोलू उर्फ सूर्या और उसकी मां रीना से दो साल पुराना विवाद चला आ रहा है। आए दिन इसी बात को लेकर गाली गलौच की जाती है। रात में भी गोलू का जीजा अपने साथियों के साथ आया था और उसने मारपीट कर घर में तोड़?फोड़ की है जिसमें दादी भगवती बाई को ज्यादा चोट लगी है। तोड़फोड़ में नुकसान भी काफी हुआ है। मामले में माधवनगर पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर तोड़फोड़ करने वालों की तलाश शुरू की गई है।

पारदी डेरो पर दबिश, 147 से संदिग्ध हिरासत में, 25 दो पहिया वाहन जप्त, 22 पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वाहन चोरी और अपराधों पर रोकथाम के उद्देश्य से बुधवार गुरुवार पुलिस ने एक साथ पारदी डेरो पर दबिश मारी। 147 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। 25 से अधिक दो पहिया वाहन जप्त किए गए हैं जिनकी जांच की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि अपराधों पर अंकुश बनाए रखने और संपत्ति अपराधों की रोकथाम के लिए लगातार पुलिस द्वारा प्रयास किया जा रहे हैं कुछ दिनों पहले कांबिंग गश्त की गई थी। वहीं बुधवार गुरुवार रात एक साथ कार्तिक मेला ग्राउंड, पंवासा, चिमनगंज क्षेत्र स्थित आकाश पेट्रोल पंप के पास, भैरवगढ़ क्षेत्र और थाना घट्टिया क्षेत्र स्थित लाखेड़ा पारदी डेरो पर दबिश मारी गई। 147 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया वहीं डेरो से 25 वाहन भी बरामद किए गए। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पूर्व आलोक शर्मा के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक अनुभाग कोतवाली राहुल देशमुख और नगर पुलिस अधीक्षक अनुभाग जीवाजीगंज पुष्पा प्रजापति के नेतृत्व में संबंधित थाना प्रभारियों, बल एवं साइबर सेल पुलिस टीम के संयुक्त समन्वय से संपादित की गई थी। साइबर सेल टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण, डिजिटल डेटा मॉनिटरिंग तथा संदिग्ध व्यक्तियों की लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर उनकी गतिविधियों एवं दैनिक आवागमन का विस्तृत विश्लेषण किया गया। इसी तकनीकी इनपुट के आधार पर दबिश की रणनीति तैयार कर इसे अत्यंत प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाया गया। हिरासत में लिए गए संदिग्धों में से 22 अपराधिक प्रवृत्ति के होना सामने आए हैं जिनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। जप्त किए गए वाहनों की जांच की जा रही है चोरी के पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शटडाउन और मैन राईजिंग लाईन फूटने के कारण पूरे शहर की वाटर सप्लाई ठप

पानी नहीं मिलने से दिन भर परेशान होते रहे लोग-हैंड पंपों पर लगी रही भीड़- आए दिन आ रही समस्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को नए और पुराने शहर में कहीं भी जलप्रदाय नहीं हो पाया। लोग नलों से पानी नहीं आने के कारण पीने के पानी की जुगाड़ में सुबह से लग गए थे। कोई हेंडपंप चला रहा था तो कोई बोरिंग से पानी की व्यवस्था करते नजर आए। इसके पीछे कारण यह है कि एमपीईबी ने अंबोदिया प्लांट पर शटडाउन रखा है। वहीं दूसरी और साहिबखेड़ी और भैरवगढ़ के बीच मैन राईजिंग लाईन भी लीकेज हो गई।

उल्लेखनीय है कि गंभीर बांध में अभी लगभग 2 माह जलप्रदाय इतना पानी शेष है। इसके बावजूद शहर में आए दिन जलप्रदाय व्यवस्था बाधित हो रही है। दो दिन पहले देवास गेट से लेकर आगर रोड़ तक क्षेत्र की 3 टंकियां मिस मैनेजमेंट के कारण खाली रह गई थी और इन इलाकों की दर्जनों कालोनियों में नलों से पानी नहीं आया था। नाराज लोगों ने पीएचई के देवास गेट कार्यालय जाकर शिकायत की थी और जानकारी लगने पर अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह भी मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने जब कारण तलाशे तो पता चला था कि लापरवाही के कारण रात में टंकियां नहीं भर पाई थी और सुबह जलप्रदाय नहीं हो पाया। इस पर उन्होंने टंकी प्रभारी और अन्य कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए जलप्रदाय व्यवस्था सुधारने के सख्त निर्देश दिए थे। इधर आज फिर शहर में जलप्रदाय नहीं हो पाया।पीएचई से मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को सुधार कार्य के लिए अंबोदिया प्लांट क्षेत्र में एमपीईबी ने शटडाउन रखा था। इस कारण डेम से प्लांट तक पानी नहीं पहुंच पाया था और टंकियां नहीं भर पाई थी। इस कारण गुरुवार को जलप्रदाय नहीं हो पाया। दूसरी और साहिबखेड़ी से भैरवगढ़ की ओर जाने वाली मैन राईजिंग लाईन भी कल शाम फूट गई थी और लीकेज के कारण हजारों गेलन पानी व्यर्थ बह गया था। पीएचई के अधिकारियों का कहना है कि वहां भी सुधार के लिए टीम को लगा दिया गया था और सप्लाई बाधित होने से टंकिया नहीं भर पाई। इस वजह से वहां भी कई क्षेत्रों में आज जलप्रदाय नहीं हो पाया। इधर पुराने शहर में जलप्रदाय नहीं होने से लोग नाराज दिखे। उनका कहना था कि पहले ही आए दिन सडक़ चौड़ीकरण और तोडफ़ोड़ के कारण नलों से पानी नहीं आता और अब शटडाउन के कारण आज भी उन्हें इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने यहां तक कहा कि जब शहर की 35 फीसदी आबादी ठीक से जलप्रदाय नहीं हो पा रहा तो फिर सिंहस्थ में 35 करोड़ लोगों को पीएचई और नगर निगम कैसे पानी पिला पाएगा।

किसान नेता जाट के जिला बदर पर कांग्रेस ने खोला मोर्चा

आज से कलेक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन धरना, विधायक और शहर कांग्रेस अध्यक्ष बैठेंगे आंदोलन पर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक जाट को छह माह के लिए जिला बदर किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने प्रशासन के खिलाफ खुला मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस नेताओं ने इस कार्रवाई को किसानों की आवाज दबाने की कोशिश बताते हुए शुक्रवार से कलेक्टर कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरने की घोषणा की है। आंदोलन की अगुवाई विधायक महेश परमार और शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी करेंगे।

कांग्रेस नेताओं के अनुसार आज शुक्रवार सुबह 11 बजे से शुरू होने वाला यह धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक प्रशासन जिला बदर का आदेश वापस नहीं ले लेता। पार्टी ने साफ कहा है कि किसान हितों की लड़ाई लड़ने वालों को दबाने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने आरोप लगाया कि किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक जाट लगातार मंडी में किसानों की समस्याओं और हकों की आवाज उठा रहे थे। किसानों को उपज का उचित दाम, भुगतान और व्यवस्थाओं को लेकर वे प्रशासनिक अधिकारियों पर लगातार दबाव बना रहे थे। इसी कारण सरकार और प्रशासन ने उनके खिलाफ कार्रवाई की है। रवि राय ने कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रौशन कुमार सिंह ने अशोक जाट को जिला बदर करने का फैसला लिया है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताते हुए कहा कि कांग्रेस अब इस मुद्दे को जनआंदोलन बनाएगी। दरअसल, बुधवार को जिला दंडाधिकारी रौशन कुमार सिंह ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत भैरवगढ़ निवासी अशोक जाट पिता देवराम जाट को छह माह के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया था। आदेश के अनुसार अशोक जाट को उज्जैन जिले के साथ-साथ सीमावर्ती जिलों देवास, इंदौर, रतलाम, शाजापुर, मंदसौर, धार और आगर मालवा की राजस्व सीमाओं से भी छह माह तक बाहर रहना होगा।

प्रशासनिक आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि अशोक जाट के खिलाफ किसी न्यायालय में प्रकरण लंबित है, तो वे पेशी की तारीख पर संबंधित थाना प्रभारी को पूर्व सूचना देकर न्यायालय आ सकेंगे। हालांकि पेशी पूरी होने के बाद उन्हें तत्काल जिला बदर आदेश का पालन करते हुए क्षेत्र छोड़ना होगा।

इधर कांग्रेस ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए आंदोलन तेज करने के संकेत दिए हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि किसान हितों की लड़ाई को दबाने के लिए प्रशासनिक ताकत का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि किसानों की समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं। कलेक्ट्रेट पर होने वाले इस धरने को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भी भारी आक्रोश देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में समर्थकों के धरने में पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

खुद पर पेट्रोल डालकर युवक ने किया आत्मदाह, परिवार के 3 सदस्य झुलसे, 3 साल की मासूम गंभीर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पारिवारिक विवाद में ससुराल में रहने वाले युवक ने बुधवार रात पेट्रोल डालकर आत्मदाह कर लिया। उसे बचाने में परिवार के चार सदस्य झुलस गये। जिसमें 3 वर्षीय मासूम की हालत गंभीर है। झुलसे सदस्यों को उज्जैन लाया गया है।

नागदा के पाल्यारोड पर रहने वाला अनिल पिता कालूराम दम्मानी 19 साल का सालभर पहले बिरलाग्राम की इंद्रपुरी में रहने वाली तुन 16 साल से विवाह हुआ था। शादी के बाद ही अनिल अपने ससुराल में रहने आ गया था। बुधवार देर शाम अनिल बायपास मार्ग के पेट्रोल पंप पहुंचा और डीजल की बाल्टी लेकर घर लौट आया। जहां उसने खुद पर पेट्रोल डाला और आग लगा ली। उसे लपटों से घिर देख पत्नी तुन, मौसी के लड़के पवन की पत्नी सोनाबाई और सास कालीबाई पति कैलाश जैन ने बचाने का प्रयास किया। इस दौरान सोनाबाई की 3 वर्षीय पुत्री दिशा भी आग की चपेट में आ गई। भयावह घटना देख आसपास के लोगों ने बचाने का प्रयास शुरू किये। अनिल सौ प्रतिशत झुलस चुका था, जिसकी मौके पर मौत हो गई। मासूम दिशा 80 प्रतिशत से अधिक कालीबाई 20 प्रतिशत और सोनाबाई मामूली रूप से झुलसी है। जिन्हे उपचार के लिये उज्जैन रैफर किया गया है। बिरलाग्राम थाना प्रभारी जितेन्द्र पाटीदार ने बताया कि घटना की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। मासूम की हालत चिंताजनक थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने वाला अनिल अपने साले की पत्नी से बातचीत करता रहा था, जिसको लेकर उसका पत्नी तनु से विवाद होता था। शाम को भी इसी बात पर विवाद हुआ था, जिसके बाद अनिल ने आत्मघाती कदम उठाया, जिसमें परिवार भी झुलसा है। थाना प्रभारी के अनुसार मामले में जांच की जा रही है। परिवार के बयान दर्ज किये जायेगें।

सिंहस्थ में देशभर से चलेंगी 7800 ट्रेनें, 15 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए स्टेशन बनेंगे हाईटेक, रेलवे के

सभी निर्माण कार्य 2027 तक पूरे करने का दावा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 को लेकर रेलवे ने अभी से कमर कस ली है। देश के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में शामिल सिंहस्थ में इस बार करीब 15 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। इतनी बड़ी भीड़ को संभालने के लिए रेलवे देशभर से करीब 7800 ट्रेनों का संचालन करेगा। इसी तैयारी को लेकर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय विगत दिवस उज्जैन पहुंचे और शहर सहित आसपास के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया।

महाप्रबंधक ने उज्जैन रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 से 8 तक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन पर यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं, सुरक्षा इंतजामों और निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान रनिंग रूम, हेल्थ यूनिट, लिफ्ट, एस्केलेटर, प्रतीक्षालय, बुकिंग कार्यालय, पे एंड यूज टॉयलेट और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया गया।

प्लेटफॉर्म-8 पर बनेगा बड़ा कंट्रोल सेंटर- निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म क्रमांक 8 की ओर बनाए जा रहे नए ट्रेन संचालन नियंत्रण केंद्र को भी देखा गया। यहां सिंहस्थ के दौरान ट्रेनों की आवाजाही और भीड़ नियंत्रण की मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके साथ ही प्रस्तावित क्राउड होल्डिंग एरिया का भी अवलोकन किया गया, जहां श्रद्धालुओं को नियंत्रित तरीके से रोका और आगे बढ़ाया जाएगा।

उज्जैन सहित 10 स्टेशनों पर फोकस- रेलवे की तैयारी केवल उज्जैन स्टेशन तक सीमित नहीं है। महाप्रबंधक ने सिंहस्थ की दृष्टि से महत्वपूर्ण पिंगलेश्वर, पंवासा, नईखेड़ी, चिंतामण गणेश, मोहनपुरा और विक्रम नगर स्टेशन का भी निरीक्षण किया। इन स्टेशनों पर हाई लेवल प्लेटफॉर्म, फुट ओवरब्रिज, कवर शेड, बाउंड्री वॉल, अप्रोच रोड और क्राउड होल्डिंग एरिया जैसे निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं।

2027 तक पूरे होंगे सभी काम- वीआईपी कक्ष में मीडिया से चर्चा करते हुए महाप्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के दौरान अत्यधिक यात्री दबाव को देखते हुए रेलवे सभी काम प्राथमिकता के आधार पर कर रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सिंहस्थ से जुड़े सभी निर्माण और सुविधाएं वर्ष 2027 के अंत तक पूरी कर ली जाएंगी।

निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) अक्षय कुमार , स्टेशन मास्टर संजय सक्सेना सहित रतलाम मंडल के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर में प्रमुख बातें -सिंहस्थ 2028 में 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान
-देशभर से 7800 ट्रेनों का संचालन होगा
-उज्जैन सहित 10 स्टेशनों का निरीक्षण
-प्लेटफॉर्म 1 से 8 तक व्यवस्थाओं की समीक्षा
-नया ट्रेन संचालन नियंत्रण केंद्र तैयार किया जा रहा
-क्राउड होल्डिंग एरिया विकसित होंगे
-हाई लेवल प्लेटफॉर्म और फुट ओवरब्रिज बन रहे
-सभी निर्माण कार्य 2027 तक पूरे करने का दावा

आयशर- ऑटो की भिड़ंत, 3 की मौत,1 की हालत नाजुक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर रोड पर बुधवार गुरुवार रात भीषण सड़क हादसा हो गया। आयशर और ऑटो के बीच हुई भिड़ंत में तीन युवकों की मौत हो गई। एक की हालत नाजुक बनी हुई है जिसका उपचार वेंटिलेटर पर चल रहा है। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि रात 2 बजे के लगभग इंदौर रोड पंथ पिपलाई के पास ऑटो और आयशर में भीषण भिड़ंत होने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी ऑटो के परखचचे उड़ चुके थे। बमुश्किल उसमें सवार तीन युवकों और चालक को बाहर निकाला गया। अस्पताल पहुंचने पर 3 की मौत होना सामने आया। एक की हालत गंभीर होने पर निजी अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया है। मृतकों की पहचान करने पर उनके नाम गोलू उर्फ आकाक्ष पिता दीपक ठाकुर, चिराग पिता संजय सोलंकी और विशाल विशाल पिता राजकुमार रावत निवासी इंदौर लसूडिया थाना क्षेत्र के रहने वाले सामने आए। घायल ऑटो चालक जितेंद्र पिता सुरेश कछवाय इन्दौर है। दुर्घटना की सूचना सभी के परिजनों को दी गई जो अलसुबह उज्जैन पहुंच गए थे। परिवार ने बताया कि तीनों मृतक दोस्त थे और महाकाल दर्शन करने के लिए उज्जैन आ रहे थे। पुलिस ने तीनों मृतकों का पोस्टमार्टम करा कर बॉडी परिजनों को सौंपी है बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद आयशर का चालक भाग निकला था, जो उज्जैन से इंदौर की ओर जा रहा था। तीनों मृतक मजदूरी करते थे।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होने उज्जैन संभाग के श्रद्धालु रवाना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा 7 मई से 11 मई तक सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा आयोजित की जा रही है। यात्रा का प्रारंभ भोपाल रानी कमलापति स्टेशन से हुआ जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इसी तारतम्य में विशेष यात्री ट्रेन का उज्जैन आगमन हुआ।

ज्ञात हो कि सोमनाथ आक्रमण सन 1026 में हुआ था उसी संघर्ष के 1000 वर्ष होने की याद में उक्त आयोजन किया गया है, जिसमें भोपाल, विदिशा रायसेन सहित उज्जैन संभाग के कुल 1100 से अधिक यात्री सहभागिता कर रहे हैं।

संस्कृति विभाग द्वारा उज्जैन स्टेशन पर संभाग के श्रद्धालुओं के स्वागत का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व अंतर्गत सोमनाथ ज्योर्तिलिंग के दर्शन के लिए विशेष एसी कोच के माध्यम से यह यात्रा शुरु की गई है।

इस अवसर पर उज्जैन रेलवे स्टेशन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में श्री भस्म रमैया भक्त मंडल द्वारा आकर्षक डमरू वादन की प्रस्तुति दी गई। डमरू एवं ढोल वादन के साथ बाबा श्री महाकाल के जय घोष लगाए गए जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया।

महाकाल दर्शन करने आए गाजियाबाद के श्रद्धालुओं से मारपीट

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऑनलाइन पेमेंट को लेकर बीती रात गाजियाबाद से आए श्रद्धालु परिवार के साथ दुकानदार और उसके यहां काम करने वालों ने मारपीट कर दी। मामला पुलिस के पास पहुंचा है। वहीं घायल श्रद्धालु का चरक अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया गया। गाजियाबाद से बाबा महाकाल के दर्शन करने आए विश्वबंधु पिता देशबंधु मेहरा ने बताया कि वह अपनी पत्नी मोनिका और पुत्र वंश के साथ एक दिन पहले ही उज्जैन पहुंचे थे। कहारवाड़ी क्षेत्र की होटल में उन्होंने रूम बुक किया है। बीती शाम बाबा महाकल की शयन आरती में शामिल होने के बाद वह क्षेत्र में घुमते हुए रात के समय अपनी होटल पहुंचे थे। इसी दौरान वहां एव्हर फ्रेश दुकान से उन्होंने कोल्ड्रिंक्स के साथ पानी की बोतल खरीदी। उन्होंने दुकानदार से ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए क्यूआर कोड मांगा जिस पर दुकानदार ने नगद रुपए देने की बात कही। उन्होंने ऑनलाइन पेमेंट होने की बात कही तो दुकानदार और उसके कर्मचारियों ने विवाद करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पत्नी और बच्चा बीच बचाव मे आए तो उन्हें भी लात-घूंसे मारे गए।

खरीफ फसलों की बोनी के लिए जिले में पर्याप्त खाद उपलब्ध, किसान ई-विकास पोर्टल से प्राप्त करे खाद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक किसान कल?याण एवं कृ?षि विकास से प्राप्?त जानकारी अनुसार खरीफ फसलो की बोनी की तैयारी के लिए जिले में खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। वर्तमान स्थिति में लगभग 13817 मे.टन यूरिया, 11431 मे.टन डीएपी, 9201 मे.टन एनपीके, 9403 मे.टन एसएसपी खाद उपलब्ध है। विषम वैश्विक परिस्थितियों के उपरांत भी सरकार द्वारा जिले में उर्वरको की आपूर्ति निर्बाध तथा तय कार्यक्रम अनुसार निरंतर की जा रही है। जिले में उक्त उपलब्ध खाद सोसायटीवार, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रवार, निजी दुकानवार ई-विकास पोर्टल पर उपलब्ध है। किसान भाइयों से अनुरोध है कि आप अपनी आवश्यकतानुसार खाद अपनी सोसायटी /मन पसंद दुकान से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से बुकिंग कर खाद प्राप्त कर सकते है। ई-विकास प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी, सिकमी किसान, शारीरिक रूप से अक्षम किसान, वृद्ध किसान आदी।